E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -11 अंक -93 | प्रयागराज, बुधवार 18 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प तुरंत तेहरान खाली करने की दी चेतावनी

'तेहरान से तुरंत बाहर निकलें',संघर्ष बढ़ने पर भारतीय नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान की राजधानी तेहरान में रहने वाले सभी लोगों को तुरंत शहर खाली करने की चेतावनी जारी की। उन्होंने मंगलवार (भारतीय समय के मुताबिक) को कहा कि ईरान का न्यूक्लियर डील साइन न करना मूर्खता है। ईरान और इस्राइल के बीच जारी संघर्ष के और बढ़ने पर भारत ने अपने नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। भारत ने अपने लोगों से तुरंत तेहरान छोड़ने को कहा है। उनसे भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने और तेहरान से बाहर आने के लिए उचित व्यवस्था न हो पाने तक सुरक्षित स्थान पर रहने को कहा गया है। ईरान में भारतीय दूतावास ने कहा कि सभी भारतीय नागरिक और पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन (भारतीय मूल के व्यक्ति) जो अपने संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर जा सकते हैं, उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी जाती है।

ईरान में फंसे प्रयागराज के 200 लोग, उड़ानें रद्द होने से वापसी के सभी रास्ते बंद

प्रयागराज। प्रयागराज से हर साल काफी लोग धार्मिक यात्रा (जियारत) के लिए ईरान और इराक जाते हैं। ईरान गए तीर्थयात्रियों में दरियाबाद, करेली, रानीमंडी, नैनी, दांदूपुर, सैदपुर, कोराली, राले, हंडिया, बहादुरगंज, जीरो रोड चक और हनुमानगंज आदि क्षेत्र के लोग शामिल हैं। ईरान के मदरसों में पढ़ाई कर रहे करीब 70 छात्र फंस गए हैं।ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध शुरू होने से पहले प्रयागराज से ईरान गए तकरीबन 200 तीर्थ यात्री और इस्लामिक स्टडीज के लिए ईरान के मदरसों में पढ़ाई कर रहे करीब 70 छात्र फंस गए हैं। उड़ानें रद्द होने से उनकी भारत वापसी मुश्किल हो गई है। यहां उनके परिजनों की फिक्र में नींद उड़ी हुई है। ईरान गए तीर्थयात्रियों में दरियाबाद, करेली, रानीमंडी, नैनी, दांदूपुर, सैदपुर, कोराली, राले, हंडिया, बहादुरगंज, जीरो रोड चक और हनुमानगंज आदि क्षेत्र के लोग शामिल हैं।शहर से हर साल काफी लोग धार्मिक यात्रा (जियारत) के लिए ईरान और इराक जाते हैं। दरियाबाद के डॉ. कमर आब्दी के नेतृत्व में 98 और मौलाना इंतजार आब्दी के नेतृत्व में 42 लोग तीर्थयात्रा पर ईरान गए हुए हैं। जत्थे में उनके साथ बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं। सभी ने इराक के पवित्र स्थलों की जियारत की और फिर ईरान पहुंचे, लेकिन वापसी का समय आया तो इस्राइल ने ईरान पर बड़ा हवाई हमला कर दिया। इसके बाद ईरान ने अपनी हवाई सेवाएं बंद कर दीं।दरअसल जत्थे की वापसी 13 जून को ही थी। उसी दिन इस्राइल ने तड़के ईरान पर हमला कर दिया। इसके बाद हवाई सेवा बंद कर दी गई। होटल बुकिंग भी यात्रा के हिसाब से थी। अब सभी तीर्थयात्री अस्थायी होटलों में रुके हैं। सुविधाएं सीमित हैं, लेकिन सब सुरक्षित हैं। सभी लोग कुम शहर में रुके हुए हैं। हालात सुधरते ही वापसी की व्यवस्था की जाएगी।दरियाबाद से ही मौलाना इंतजार आब्दी के नेतृत्व में 42 लोगों का एक और जत्था इराक से जियारत के बाद ईरान पहुंचा। जत्थे की वापसी अगले सप्ताह होनी है। मौलाना आब्दी ने बताया, होटल और स्थानीय प्रशासन सबका ख्याल रख रहा है, लेकिन चिंता बढ़ रही है। फिलहाल सभी लोग जियारत कर रहे हैं और वहां स्थिति ठीक है। उनकी वापसी मंगलवार को होनी थी, लेकिन हवाई सेवा बंद होने से वापसी मुश्किल हो गई है। बहू राहिल मेहंदी बताती हैं, दोनों अभी कुम शहर में सुरक्षित हैं और हवाई सेवा के खुलने का इंतजार कर रहे हैं। घर में लोग दुआएं कर रहे हैं कि जल्द ही हालात सामान्य हों, ताकि सभी लोग सुरक्षित भारत लौट सकें।हम यहां पर पूरी तरह से सुरक्षित है। स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से लोगों का ख्याल रख रहा है। भारत के लोग इस समय कुम, मशहद और तेहरान में हैं और सभी हालात पर नजर रखे हुए हैं। साथ ही एक-दूसरे के संपर्क में भी हैं। - मौलाना जीशान हैदर, रानी मंडी

हम कुम शहर में हैं। यहां की स्थिति ठीक है और लोग एक-दूसरे के संपर्क में हैं। सभी लोग पूरी तरह से सुरक्षित हैं। भारत के कुछ तीर्थयात्री भी यहां मौजूद हैं। सभी लोग हवाई मार्ग खुलने का इंतजार कर रहे हैं। लोग दूतावास के भी संपर्क में बने हुए हैं। - मौलाना मो. हसन, दांदूपुर

जी7 देशों की पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की अपील, लेकिन बोले- इस्राइल को आत्मरक्षा का अधिकार

नयी दिल्ली। जी7 देशों के नेताओं ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की अपील की, लेकिन साथ ही संयुक्त बयान में इस बात की पुष्टि भी की इस्राइल को आत्मरक्षा का अधिकार है। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी जी7 देशों के संयुक्त बयान में कहा गया है कि 'हम जी7 देशों के नेता, पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता का समर्थन करते हैं। साथ ही हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि इस्राइल को आत्मरक्षा का अधिकार है। हम इस्राइल की सुरक्षा का समर्थन करते हैं। साथ ही हम आम नागरिकों की सुरक्षा के भी पक्षधर हैं।' जी7 देशों के संयुक्त बयान में ईरान को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा और आतंकवाद का स्त्रोत बताया गया है। जी7 देशों ने भी कहा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ऐसा ही कहा था। ईरान और इस्राइल के बीच बीती 13 जून को संघर्ष शुरू हुआ था, जब इस्राइल ने एक बड़े हवाई हमले में ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था। इस हमले में ईरान के परमाणु ठिकानों के साथ ही उसकी सेना के कई शीर्ष कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए थे। ईरान में अब तक इस्राइली हमलों में 224 लोगों की मौत हो चुकी है और सैंकड़ों घायल हैं। इस्राइली हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया और इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों से बड़ा हमला किया। ईरान के हमले में इस्राइल में भी 24 लोगों की जान गई है और सैंकड़ों लोग घायल हैं।

'नवचयनित सिपाहियों को दें महाकुंभ जैसा प्रशिक्षण..' डीजीपी बोले- बेहतर अनुशासन व व्यवहार का पढ़ाएं पाठ

लखनऊ। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि नवचयनित 60244 सिपाहियों को महाकुंभ में पुलिस के व्यवहार जैसा प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। बीते 25-30 वर्षों में पुलिस के व्यवहार में सार्थक परिवर्तन आया है। इंडक्शन ट्रेनिंग का प्रभाव प्रशिक्षुओं के पूरे कॅरिअर पर पड़ता है। नवचयनित सिपाहियों को यूनिफार्म, ऑडियो विजुअल कंटेंट के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाए।डीजीपी सोमवार को पुलिस मुख्यालय में प्रदेश पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बेहतर नागरिक सुविधाएं देने के उद्देश्य से बिहेवियरल ट्रेनिंग प्रोग्राम की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नवचयनित सिपाहियों का प्रशिक्षण सुनहरा अवसर है। इसका हमें समुचित उपयोग करना चाहिए। प्रशिक्षण में मिली सीख और फील्ड के व्यावहारिक अनुभव में संतुलन स्थापित करना चाहिए। पुलिस की बिहेवियरल ट्रेनिंग और कम्युनिकेशन अत्यंत महत्वपूर्ण है। महाकुंभ में पुलिसकर्मियों द्वारा श्रद्धालुओं से अच्छा व्यवहार निरंतर प्रशिक्षण, ब्रीफिंग एवं काउंसिलिंग से संभव हो पाया।डीजी प्रशिक्षण तिलोत्तमा वर्मा ने कहा कि नवनियुक्त रिक्रूट सिपाहियों के प्रशिक्षण को उच्च कोटि का बनाने के दृष्टिगत आधारभूत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आई गॉट पोर्टल को शामिल किया गया है। प्रशिक्षुओं को पोर्टल पर उपलब्ध दो कोर्सेज को पूरा करना अनिवार्य होगा। तत्पश्चात प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों द्वारा विचार व्यक्त किए गए।एडीजी पीटीएस उन्नाव नवनीत सिकेरा ने बताया कि उनके द्वारा 32 पीटीआई को विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर हेल्थ कोच बनाया गया है, जो प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित करेंगे। क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) भारत सरकार के माध्यम से पांच दिवसीय सद्व्यवहार (सॉफ्ट स्किल) कार्यशाला का आयोजन किया गया है, जिसके माध्यम से लीड ट्रेनर्स तैयार किए जाएंगे। इस अवसर पर सीबीसी के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम, एडीजी प्रशिक्षण बीडी पॉल्सन एवं आईजी चंद्र प्रकाश उपस्थित थे।

यूपी में 13 रुपये प्रति यूनिट हो सकती है बिजली 40 से 45 फीसदी बढ़ोतरी का दिया गया प्रस्ताव

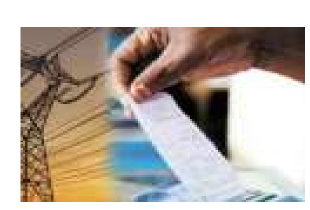

वाराणसी। पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से विद्युत नियामक आयोग में दाखिल बिजली दरों में 40-45 फीसदी बढ़ोतरी का संशोधित प्रस्ताव स्वीकार होता है तो उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगेगा। संशोधित प्रस्ताव के आधार पर ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए अधिकतम फिक्स चार्ज 8 और शहरी के लिए 9 रुपये प्रति प्रति यूनिट हो जाएगा। उन्हें अधिकतम फिक्स चार्ज के साथ प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज, विद्युत कर और दूसरे शुल्क जोड़कर प्रति यूनिट 12 से 13 रुपये चुकाने होंगे।राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया है कि पॉवर कॉर्पोरेशन ने फिक्स चार्ज में बड़ा खेल किया है। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने शुक्रवार को पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से दिए प्रस्ताव के विरोध में सोमवार को नियामक आयोग में लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल किया। नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय सिंह से मुलाकात कर प्रस्ताव को असांविधानिक करार देते हुए खारिज करने की मांग की।वर्मा ने बताया कि भाजपा के संकल्प पत्र में गरीबों को 100 यूनिट तक तीन रुपये प्रति यूनिट देने की बात कही गई है। उसे भी चार रुपये प्रति यूनिट कर दिया है। पहले बिजली दरों के चार स्लैब थे, जिन्हें तीन कर दिया गया है। कुछ स्लैब में बिजली दरों में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33122 करोड़ सरप्लस निकल रहा है। इसे लौटाने पर कोई बात नहीं हो रही है।वर्मा ने बताया कि नए प्रस्ताव में फिक्स चार्ज भी बढ़ाया गया है। शहरी फिक्स चार्ज को 110 रुपये से बढ़ाकर 190 रुपये प्रति किलोवाट करने का प्रस्ताव दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में फिक्स चार्ज 90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलोवाट प्रस्तावित किया है।

हीट वेव खत्म... अब जमकर बरसेंगे बदरा

लखनऊ। प्रदेश में मानसून की आहट महसूस होने लगी है। सोमवार को लगभग पूरे प्रदेश में कहीं ज्यादा तो कहीं धीमी बारिश हुई। इससे तापमान में गिरावट महसूस की गई। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के 75 फीसदी जिलों में बारिश हुई। हीट वेव जैसे हालात कहीं नजर नहीं आए। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। बुधवार से प्रदेश के कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार शाम पांच बजे तक बरेली में सबसे ज्यादा बारिश 149.4 मिमी दर्ज की गई। सहारनपुर में भी 120 मिमी बारिश हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तराई क्षेत्र में सोमवार को अच्छी बारिश हुई। पूर्वांचल में भी ठीक-ठाक बारिश सोमवार को हुई। बारिश ने पूरे प्रदेश के मौसम को बदल दिया है और लू जैसी परिस्थितियां किसी भी जनपद में नजर नहीं आई। लगभग सभी जगह तापमान सामान्य से नीचे आ गया।प्रदेश भर में तापमान में औसतन 2-4 डिग्री की गिरावट महसूस की गई, जो आगे तीन से चार दिन में 3-7 डिग्री तक हो सकती है। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश के बीच 40 से 50 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली और यही क्रम मंगलवार को भी जारी रहेगा। कहीं कहीं मेघगर्जन के साथ वज्रपात की आशंका भी जताई जा रही है। 18 और 19 जून को भारी बारिश की चेतावनी भी मौसम विभाग की ओर से जारी की गई है।आज यहां पर मेघगर्जन के साथ वज्रपात के आसार- सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और आसपास के इलाकों में।

दुल्हन ने कराया दूल्हे का कत्लः मुस्कान-सोनम से भी आगे निकली गुलफशां

रामपुर।रामपुर में शादी से एक दिन पहले खुद को दुल्हन का चचेरा भाई बताकर दूल्हे के घर पहुंचे दो बाइक सवारों ने का उसका अपहरण कर लिया। इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और शव अजीमनगर क्षेत्र के रतनपुरा शुमाली गांव के जंगल में फेंक दिया। हत्या उसकी होने वाली दुल्हन ने अपने प्रेमी से कराई थी।

मेरठ की मुस्कान और मध्य प्रदेश के इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने ही पति की हत्या करवाने की घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है। अब रामपुर में इससे भी ज्यादा सनसनीखेज मामला सामने आया है। भोट इलाके के धनुपुरा गांव निवासी गुलफशां ने शादी से एक दिन पहले ही मंगेतर निहाल (25) का अपने प्रेमी सद्दाम की मदद से अपहरण करवाकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए उसके प्रेमी और एक आरोपी फरमान को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन निहाल के परिजन गुलफशां की तुरंत गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। शहर के मोहल्ला गूजर टोला स्थित फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल का शव अजीमनगर थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव के जंगल में मिला। इसके बाद निहाल के परिवार में कोहराम मच गया। इसके पीछे परिवार के लोगों ने पुलिस को तहरीर देते हुए जो शिकायत की, उससे सभी स्तब्ध रह गए। मृतक के भाई नायब ने सीधे तौर पर निहाल की होने वाली पत्नी गुलफशां को निहाल की हत्या का आरोपी बताया। नायब ने बताया कि उसका भाई बावर्ची का काम करता था। उसका निकाह भोट थाना इलाके के धनुपुरा गांव निवासी गुलफशां से तय हुआ था।**आगे की खबर पेज संख्या 3 पर.**

दोस्त को घर में घुसाना चाहती थी पत्नी, पति ने रोका तो सालों ने कर दी जीजा की ताबड़तोड़ पिटाई

बागपत। भारतीय संस्कृति में दामाद को विशेष दर्जा दिया जाता है। पारंपरिक रीति-रिवाजों में विवाह के समय बेटी और दामाद के चरण छूने की रस्म भी निभाई जाती है। लेकिन हाल ही में, उत्तर प्रदेश के बागपत से सामने आई एक हैरान करने वाली घटना ने इन मान्यताओं को झकझोर कर रख दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि ससुराल पक्ष ने अपने ही दामाद को बेरहमी से पीटा और इस पूरी घटना के पीछे खुद उसकी पत्नी का हाथ बताया जा रहा है। तो आज की इस खबर में हम आपको इसी वीडियो के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं।यह मामला बागपत जिले के सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र स्थित डौला गांव का है। यहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में रात 11 बजकर 54 मिनट पर घटी घटना रिकॉर्ड हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति गली से गुजर रहा था, तभी अचानक 3-4 लोग उस पर टूट पड़ते हैं और उसे बुरी तरह से मारना शुरू कर देते हैं।इस वीडियो की लंबाई करीब 2 मिनट 38 सेकंड है। वीडियो में 45वें सेकंड के बाद हमला शुरू होता है और लगभग 1 मिनट 57 सेकंड तक जारी रहता है। बताया गया है कि मार खाने वाला शख्स रिश्ते में हमलावरों का जीजा है। सोशल मीडिया यूजर्स का दावा है कि यह हमला दामाद की ओर से पत्नी के एक अनजान दोस्त को घर में आने से रोकने पर हुआ।दरअसल, दामाद ने जब अपनी पत्नी के किसी अजनबी पुरुष मित्र को घर में घुसने से रोका तो पत्नी ने यह बात अपने भाइयों को बता दी। इसके बाद तीनों साले मिलकर रात में दामाद पर टूट पड़े और उसे लहूलुहान कर डाला। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक की हालत बेहद खराब हो जाती है और गली में उसकी चीखें सुनाई देती हैं। वीडियो के आखिरी हिस्से में हमलावर साले, घायल दामाद को जबरन अपने साथ ले जाते नजर आते हैं। यह पूरा वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई यूजर्स द्वारा शेयर किया गया है और लाखों लोग इसे देख चुके हैं।इस वीडियो को लेकर लोग जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ यूजर्स ने ऐसी पत्नी को छोड़ने की सलाह दी है, जबकि कई लोगों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। एक यूजर ने कमेंट किया, 'जो पत्नी पिटवाए, उसे छोड़ देना चाहिए।' वहीं, एक और यूजर ने लिखा, 'इस वीडियो से क्या साबित करना चाह रहे हो, कुछ समझ नहीं आया।' लोगों का मानना है कि यह घटना न केवल रिश्तों की मर्यादा को सवालों के घेरे में लाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि कैसे एक निजी विवाद सोशल मीडिया पर सार्वजनिक चर्चा का विषय बन सकता है।

संगमनगरी में पक्के मकान का सपना होगा साकार, एक लाख लोगों को मिलेगी अपनी छत

प्रयागराज। जिनके सिर पर अब तक छत नहीं थी, उनके लिए अब अपना घर महज सपना नहीं, हकीकत बनने जा रहा है। संगम नगरी में आवास संकट से जूझ रहे लोगों के लिए एक बड़ी सौगात की तैयारी की जा रही है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए), नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) और ग्राम पंचायतों के माध्यम से जल्द ही एक लाख से अधिक लोगों को आवास उपलब्ध कराए जाने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है।जिले की आबादी करीब 75 लाख है। इसमें 1540 ग्राम पंचायतें, एक नगर निगम और आठ नगर पंचायतें हैं। आवास योजनाओं का यह समन्वित प्रयास उन हजारों लोगों के जीवन में रोशनी लाने जा रहा है, जो बरसों से एक पक्के घर का सपना देख रहे थे। इन योजनाओं से बहुत जल्द संगम नगरी में 'अपना घर, हर परिवार' का सपना साकार होगा।पीडीए ने नैनी में वर्ष 2010- 2011 'नव प्रयागम' को 26 हेक्टेयर से अधिक एरिया में न्यू टाउनशिप स्कीम के रूप में विकसित करने की योजना शुरू की। टाउनशिप के तहत सात करोड़ से अधिक खर्च कर कुछ सड़कें बनकर तैयार हो चुकी हैं और 20 करोड़ की लागत से अभी सडकें और नाली का निर्माण चल रहा है।उम्मीद है कि जल्द ही यहां बहुमंजिला इमारतें खड़ी होने लगेंगी। योजना के तहत लगभग 50 हजार लोगों को आवास देने का लक्ष्य रखा गया है। पीडीए के मुख्य अधिशासी अभियंता कौशलेंद्र चौधरी ने कहा, यह क्षेत्र आधुनिक जीवनशैली से लैस होगा और लोगों को एक सुनियोजित आवासीय वातावरण प्रदान करेगा।नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण की योजना है। अभी तक 60 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। जांच प्रक्रिया जारी है। अनुमान है कि करीब 30 हजार लोग पात्र पाए जा सकते हैं। 14 हजार आवेदनों की जांच में से सात हजार पात्र पाए गए हैं।

एयरफोर्स इंजीनियर की हत्या की जांच फिर अटकी, पत्नी का दर्ज होना है वीडियो रिकॉर्डेड बयान

प्रयागराज। एयरफोर्स कैंपस में कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्रा की हत्या के मामले में जांच फिर अटक गई है। दरअसल, उनकी पत्नी का वीडियो रिकॉर्डेड बयान न होने से यह कार्रवाई अटकी पड़ी है। मौजूदा समय में उनकी पत्नी देश से बाहर हैं। ऐसे में अब उनके आने के बाद ही आगे की कार्रवाई होने की संभावना है।मुकदमे की ववेचना के दौरान इंजीनयर की पत्नी का बयान विवेचक ले चुके हैं। इसके अलावा मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी (विशेष जांच दल) भी उनसे बात कर चुका है। हालांकि, उनका वीडियो रिकॉर्डेड बयान लिया जाना अभी बाकी है। दरअसल, इंजीनियर की हत्या की वह इकलौती चश्मदीद हैं। ऐसे में मामले से संबंधित हर जांच में उनका बयान बेहद अहम है। सूत्रों के मुताबिक वह कुछ दिनों पहले ही देश से बाहर गई हैं।तीन सदस्यीय एसआईटी की अध्यक्षता आईजी रेंज कर रहे हैं। इसमें अपर पुलिस आयुक्त व एसीपी धूमनगंज को भी शामिल किया गया है। 29 मार्च को हुए इस हत्याकांड के मामले में मुख्य आरोपी सौरभ पासी व साजिश में शामिल होने के आरोपी उसके माता-पिता व भाई जेल में हैं।

कश्मीर घाटी से भी होगा प्रयागराज का सीधा रेल संपर्क, समय सारिणी पर चल रहा है मंथन

प्रयागराज। श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन से श्रीनगर के बीच कश्मीर की वादियों से गुजरती वंदे भारत एक्सप्रेस के तमाम वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में वायरल है। प्रयागराज के भी लोग इन वीडियो को पसंद करने के साथ शेयर भी कर रहे हैं। आने वाले दिनों में प्रयागराज के लोगों को इस तरह के वीडियो शेयर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि कश्मीर घाटी से प्रयागराज के सीधी रेल संपर्क की तैयारी शुरू हो गई है। प्रयागराज से ही लोग ट्रेन में बैठकर कश्मीर की वादियों का दीदार कर सकेंगे।बताया जा रहा है कि संगम नगरी के सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से उधमपुर के शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन जाने वाली उधमपुर एक्सप्रेस का संचालन श्रीनगर तक बढ़ाया जा सकता है। इसे लेकर उत्तर मध्य रेलवे के साथ रेलवे बोर्ड में मंथन शुरू हो गया है। बता दें कि पिछले दिनों ही पीएम मोदी ने श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी।इस ट्रेन का संचालन शुरू होने के बाद देश के बाकी अन्य हिस्सों से कश्मीर घाटी को जोड़ने पर मंथन शुरू हो गया है। जम्मू में उत्तर रेलवे का छठा रेल मंडल बनने के बाद अब सूबेदारगंज से शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन जाने वाली उधमपुर एक्सप्रेस को श्रीनगर तक बढ़ाया जा सकता है। इसके प्रस्तावित समय पर उत्तर रेलवे के साथ उत्तर मध्य रेलवे में मंथन भी चल रहा है।उधमपुर एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शनिवार को सूबेदारगंज से एवं वापसी में शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन से प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को संचालित होती है। अभी ट्रेन के एक रेक से ही इसका आवागमन हो रहा है। श्रीनगर तक चलाने के लिए उत्तर मध्य रेलवे को एक और रेक की दरकार है। उसी के बाद इसका विस्तार होगा। वर्तमान में इस ट्रेन का यहां से इसका संचालन शाम 4.10 बजे हो रहा है।चर्चा है कि इसे दोपहर 3.00 बजे यहां से चलाया जाएगा। निर्धारित ठहराव पर रुकते हुए ट्रेन अगले दिन शाम चार बजे श्रीनगर पहुंच जाएगी। इसी तरह वापसी में श्रीनगर से इसका संचालन सुबह दस बजे किए जाने की तैयारी है जो अगले दिन सुबह 11.30 बजे सूबेदारगंज पहुंच जाएगी। हालांकि रेलवे की ओर से अभी अधिकृत रूप से कुछ भी नहीं कहा जा रहा है।

शुआट्स विश्वविद्यालय में आयोजित भौगोलिक उपदर्शन (जी.आई.) विषयक एकदिवसीय ओरिएन्टेशन कार्यशाला में जी.आई. मैन ऑफ इण्डिया पद्मश्री डा0 रजनीकान्त ने भौगोलिक उपदर्शन को बताया बौद्धिक सम्पदा की रक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज, 16 जून, 2025 सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) के प्रसार निदेशालय द्वारा विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में भौगोलिक उपदर्शन विषयक एकदिवसीय ओरिएन्टेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए शुआट्स विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन ने इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारत के जी.आई. मैन पद्मश्री डा0 रजनी कान्त का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया और बताया कि जी.आई. टैग का भविष्य में कितना अधिक महत्व है। इसकी सहायता से हम स्थान विशेष के पारम्परिक उत्पादों का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जी.आई. टैगिंग भविष्य की स्थापना हेतु एक मील का पत्थर साबित हो सकती है। इसकी सहायता से भारत में मेक इन इण्डिया प्रोडक्ट को अधिक बढ़ावा मिलेगा जिससे क्षेत्र के किसान, बुनकर आदि अपने-अपने उत्पादों को बनाकर सम्पूर्ण विश्व में बेच कर आर्थिक लाभ अर्जित कर सकते हैं । इसके उपरान्त शुआट्स विश्वविद्यालय के सेन्टर फॉर जियोस्पैटिअल टेक्नोलॉजीस के विभागाध्यक्ष डा0 दीपक लाल ने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि प?द्मश्री डा0 रजनी कान्त जी0आई0 मैन ऑफ इण्डिया के नाम से प्रख्यात हैं। डा0 कान्त को सामाजिक सेवा विशेषकर जीआई, बुनकरों, कारीगरों, सीमांत समुदाय पर काम करने के लिए पदम श्री सम्मान-2019 से सम्मानित किया गया कई राज्य सरकारों ने उनके पारंपरिक उत्पादों के लिए जीआई पंजीकरण और लाखों

लोगों की आजीविका को लोगों, राज्य और देश की गरिमा से जोड़ने के माध्यम से सामाजिक कार्य में उनके योगदान की सराहना की है, क्योंकि उत्पाद को भारत के आईपीआर के रूप में मान्यता मिली है और जीआई टैग के साथ वैश्विक हो रहा है। इस अवसर पर पद्मश्री डा0 रजनीकान्त ने अपने सम्बोधन में जी0आई0 टैगिंग के विषय में व्यापक एवं विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रयागराज जनपद विश्व के सबसे पवित्र शहरों में से एक है। यहाँ त्रिवेणी संगम के किनारे बसा हुआ शुआट्स विश्वविद्यालय सबसे पुराना विश्वविद्यालय है तथा यहाँ से अध्ययन प्राप्त छात्र आज सम्पूर्ण विश्व में कार्यरत हैं । उन्होंने बताया कि जी.आई. टैगिंग में विश्वविद्यालयों का बहुत अहम योगदान है। जी0आई0 राज्य एवं जनपदस्तर पर किसी भी उत्पाद को विशेष स्थान प्रदान कर उसे विश्व विख्यात बनाता है। आज जमीनी तौर पर पारम्परिक उत्पाद लुप्त होते जा रहें हैं जिन्हें प्रशिक्षण के माध्यम से पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। पुनर्जीवन प्रदान करने के उपरान्त उसे जी.आई. से जोड़कर पारम्परिक रूप से उत्पादों को तैयार कर विश्वविख्यात बनाया जा सकता है जिससे उस क्षेत्र विशेष को प्रसिद्धता प्राप्त होती है तथा पारम्परिक रूप से कार्य करने वाले कार्मिकों को अधिक आर्थिक लाभ भी प्राप्त होता है। उन्होंने उत्पादों को प्रापर्टी राइट पर पंजीकृत कराने पर बल देते हुए बताया कि प्रापर्टी राइट पर पंजीकृत कराने से उनके उत्पादों की डुप्लीकेसी से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी बाजपेयी ने अपने कार्यकाल में जी.आई. पर कानून बनाया जो 2003 में लागू हुआ जिसके अन्तर्गत सर्वप्रथम दार्जिलिंग चाय को जी.आई. के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया । उ0प्र0 में सबसे पहले प्रयागराज के इलाहाबाद सुरखा को जी.आई. टैग प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि जो उत्पाद क्षेत्र विशेष में 70-100 वर्षों पुराना लोकप्रिय है सिर्फ उन्हीं उत्पादों की जी.आई. टैगिंग की जा सकती है। उन्होंने बताया कि जीवित पशुओं का जी.आई. टैग नहीं किया जा सकता परन्तु उनके द्वारा प्राप्त उत्पादों का जी.आई टैग हो सकता है।कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के संयुक्त निदेशक प्रसार प्रो0 (डा0) ए. के. चौरसिया ने कृषि विज्ञान केन्द्र एवं प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिकों सहित अन्य विभागों के प्रतिभागियों का आवाहन किया और कहा कि हमें चाहिए कि हम विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में आने वाले सभी जनपदों से क्षेत्र विशेष के उत्पादों को चिन्हित करें तथा उसे जी.आई. टैग से जोड़ने हेतु समस्त सम्भव प्रयास करें जिससे विश्वविद्यालय के माध्यम से क्षेत्र विशेष के कृषक, बुनकर, मध्यम व्यापारी भी समृद्ध हो सकें।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागो के सह प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, प्रसार निदेशालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्र प्रयागराज के समस्त वैज्ञानिकगण उपस्थित थे । कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों द्वारा मुख्य वक्ता से जी.आई. सम्बन्धित अनेक प्रश्न पूछे गये जिसका निराकरण मुख्य वक्ता द्वारा दिया गया । (डॉ. प्रवीण चरण निदेशक प्रसार)

बीएड प्रवेश परीक्षा-2025 का परिणाम घोषित, मिर्जापुर के सूरज पटेल बने टॉपर; शीबा को मिला दूसरा स्थान

लखनऊ। राजधानी

लखनऊ में मंगलवार को उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2025 (बीएड प्रवेश परीक्षा) के परिणाम की घोषणा कर दी गई। प्रेस वार्ता डॉक्टर राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित की गई।

इसमें झांसी विश्वविद्यालय के कुलपति राकेश पांडे के साथ शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल ने जानकारी साझा की। इस बार उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2025 में मिर्जापुर के सूरज पटेल को पहली रैंक मिली है। भदोही की शीबा प्रवीण को दूसरा स्थान हासिल हुआ है। वहीं जौनपुर की शिवांगी यादव तीसरे स्थान पर हैं।इसके अलावा मऊ (घोसी) के प्रमोद कुमार यादव ने चौथी, अररिया (बिहार) के युगेश प्रसाद साहा ने पांचवी, शाहजहांपुर के रमेश कुमार शर्मा ने छठी, मेरठ के रविंदर कुमार त्यागी ने सातवीं, उन्नाव के विवेक शुक्ला ने आठवीं, अलीगढ़ के अंजनी कुमार मिश्रा ने नौवीं और वाराणसी के रामलोचन पटेल ने दसवीं रैंक हासिल की है।

बताते चलें कि प्रवेश परीक्षा का आयोजन एक जून को प्रदेश भर में किया गया था। अब प्रवेश काउंसिलिंग जुलाई महीने में प्रस्तावित है।

प्रयागराज डेवलोपमेन्ट ऑथॉरिट को निर्देश 45 दिनों के भीतर कब्जा प्रदान करे तथा पीडीए की परियोजना के 8 साल का विलंब पर एसबीआई की दर से शिकायतकर्ता को मुआवजा प्रदान करे।

प्रयागराज। पॉल्सन सैमुएल

तथा 3 अन्य बनाम प्रयागराज विकास प्राधिकरण की परियोजना अलकनंदा अपार्टमेंट के मामले में उत्तर प्रदेश भू सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के अध्यक्ष श्री संजय आर भूसरेड्डी ने अधिवक्ता चार्ली प्रकाश को सुनते हुए आदेश पारित किया, जिसमे शिकायतकर्ता को 45 दिनों के भीतर सभी सुविधाओं के साथ फ्लैट में कब्जा प्रदान करे तथा लगभग 8 साल का विलम्ब करने पर पीडीए को एसबीआई एमसीएलआर प्लस 1प्रतिशत की दर से (लगभग 10 प्रतिशत ब्याज) मुआवजा प्रदान करने का आदेश दिया है। मामला यह था कि शिकायतकर्त्ता ने दिनाँक 10.12.2014, को फ्लैट आवंटन किया गया था जिसका कब्जा शिकायतकर्ता को 10.12.2016 तक दिया जाना प्रस्तावित था, लेकिन पीडीए द्वारा समय समय कभी भूमि दलदली होने, स्ट्रचरल डिजायन परिवर्तन, एसटीपी निर्माण, कुम्भ मेला, भू खनन प्रतिबंध (बालू की अनुपलब्धता) तथा कॅरोना वायरस के प्रसार के कारण प्रशनगत परियोजना को विलम्ब का कारण बताया। जिस पर माननीय न्यायालय सन्तुष्ट नही हुआ तथा शिकायतकर्ता को तय समय के अंदर कब्जा देने तथा देरी पर मुवाज़ा देने का आदेश पारित किया। प्रेषक- चार्ली प्रकाश, अधिवक्ता, मोब0 8795807177,

कानपुर में छत ढही, मलबे में 2 लोग दबेःस्कूल में लिंटर डाला जा रहा था, सरिया काटकर फंसे मजदूर को निकाला गया

कानपूर। कानपुर के बर्रा थाने के कर्रही स्थित एक स्कूल की तीसरे मंजिल की छत की ढलाई के दौरान दो माह पहले ढाली गई दूसरे तल की छत धराशायी हो गई। कॉलम ढहने से निर्माणाधीन छत भी शटरिंग सहित भरभरा कर बैठ गई। घटना के वक्त छत पर दो मजदूर ढलाई को अंतिम रूप देने में लगे थे।छत ढहने पर दोनों नीचे भागे तो अचानक जीने की शटरिंग भी बैठ गई, इसमें एक मजदूर मलबे में दब गया, जबकि दूसरा किसी तरह बाहर निकल आया।सूचना पर बर्रा थाने की फोर्स और दमकल टीम पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मजदूर को सकुशल बाहर निकाला जा सका।कर्रही निवासी मनोज पाल बीएल स्मारक इंटर कॉलेज संचालित करते हैं। पड़ोस में ही परिवार सहित रहते भी हैं। मनोज इन दिनों अपने स्कूल का निर्माण करा रहे हैं। करीब तीन माह पहले प्रथम तल जबकि दो माह पहले द्वितीय तल की छत ढलवाई थी। सोमवार को तीसरे तल की छत की ढलाई करवाई जा रही थी। खाड़ेपुर निवासी ठेकेदार अवनीश के नेतृत्व में 13 मजदूर काम पर लगे थे। अवनीश के मुताबिक, रात करीब आठ बजे छत के बाहरी हिस्से की कुछ ढलाई बाकी रह गई थी। जिसे यहीं के रहने वाले मजदूर श्रवण कुमार, और धीरू अंतिम रूप देने में लगे थे। इसी दौरान दूसरे तल के दो कॉलम दरक गए। जिसके चलते दूसरे तल की छत चिटकी, इसका असर तीसरी तल के छत की ढलाई के लिए लगी शटरिंग पर पड़ा और लगी बल्लियां हट गईं कुछ ही देर में छत के आगे का हिस्सा भरभरा कर गिर गया। धीरू किसी तरह निकलने में कामयाब हो गया, जबकि श्रवण जीने की शटरिंग में फंस गया। उसके दोनों पैर दब गए।सूचना पर बर्रा थाने का फोर्स मौके पर पहुंचा। मजदूरों के फंसे होने पर दमकल को सूचना दी गई। आनन फानन में किदवई नगर व फजलगंज से दमकल की टीम पहुंची और बड़े कटर और ड्रिल मशीन का प्रयोग करते हुए पिलर, क्रंक जाल आदि काटे गए। इसके बाद टीमें फंसे श्रवण कुमार तक पहुंची और उसे बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा।मनोज का भूतल तक वर्षों पुराना स्कूल बना हुआ है, इधर वह स्कूल की इमारत बिना पिलर दिए ताने जा रहे थे। घटना में सामने आया कि छत की ढलाई में जो सरिया प्रयुक्त हो रही थी, वह भी बेहद पतली थी। एडीएम सिटी राजेश कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा घटना स्थल पर पहुंचे। एडीएम सिटी के मुताबिक अभी तक किसी के जान माल को नुकसान नहीं हुआ है। इस मामले में जांच कराई जाएगी। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर पर कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में तेज बारिश से गलियों में भरा पानी,आगरा में ताजमहल देखने आए टूरिस्ट ने मस्ती की, यूपी के 10 शहरों में बारिश

लखनऊ। यूपी में प्री-मानसून होने के 57 फीसदी चांस हैं। इधर,

बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को मथुरा, आगरा, वाराणसी समेत 10 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।मथुरा में मंगलवार शाम तेज बारिश हुई। बांके बिहारी मंदिर को जाने वाले रास्ते पर पानी भर गया। जलभराव के बीच श्रद्धालु जाते दिखे। वहीं, आगरा में शाम को आसमान में काले बादल छा गए। दिन में अंधेरा हो गया। लोगों को अपनी गाड़ियों की हेड लाइट जलानी पड़ी। तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।ताजमहल देखने आए टूरिस्ट ने बारिश का लुत्फ उठाया। बच्चे भीगते हुए खेलते नजर आए। ताजमहल भी बारिश के बीच धुंधला नजर आया। वाराणसी में दोपहर 12 बजे के बाद तेज बारिश हुई। इसके बाद से बादल छाए हैं। एनसीआर में भी मौसम बदला। नोएडा और गाजियाबाद में भी झमाझम बारिश हुई। बुलंदशहर में करीब एक घंटे की बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। बच्चे भीगते हुए मस्ती करते दिखे। लखनऊ में बादलों की लुकाछिपी जारी है। लखनऊ में दिन का तापमान 36 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। रात तक बारिश देवरिया में बिजली गिरने से महिला की मौत हो गई। दो बच्चे झुलस गए। वहीं, 48 घंटों में आंधी-बारिश से 42 की मौत हुई है। मौसम विभाग ने आज 54 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 10 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। सोमवार को 46 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई थी। सबसे अधिक 149 मिमी बारिश बरेली में रिकॉर्ड की गई। यहां 6 घंटे की बारिश में कॉलोनियों और हाईवे पर घुटनों तक पानी भर गया। बरेली में कई जगह बिजली गिरी। आंवला तहसील में बिजली गिरने से छत में छेद हो गया। धमाका सुनकर घर के लोग जैसे-तैसे भागकर बाहर गए। थोड़ी देर बाद छत पर देखा तो छेद हो गया था। उधर, प्रदेश में अब लू (हीटवेव) का असर खत्म हो गया है। सोमवार को किसी भी शहर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार नहीं गया। वाराणसी सबसे गर्म रहा, जहां का अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद जौनपुर 39.1 डिग्री के साथ दूसरे नंबर पर रहा।

नाजरेथ अस्पताल में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज के नाज़रेथ अस्पताल में बीते सोमवार को नाजरेथ अस्पताल डाक्टर्स, नर्सस व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानव सेवा की इस पुण्य कार्य अस्पताल प्रशासन ने बताया कि एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है, और यह निःशुल्क,

अस्पताल, प्रयागराज ने इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन (AMA) के सहयोग से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। यह शिविर अस्पताल परिसर में 16 जून को प्रातः 9:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि फादर वाल्टर डि सिल्वा, सेंट जोसेफ कालेज के प्रधानाचार्य व विशिष्ट अतिथि डॉक्टर अशोक अग्रवाल चेयरमैन एएमए तथा कई अन्य अतिथियों ने सहभागिता दर्ज की। इस अवसर पर नाजरेथ में अपने रक्तदान से योगदान दिया। मेट्रन सिस्टर मोन्सी, सहायक निदेशक फादर मेल्विन, फादर जोएल, फादर बाबू, डा. ओमर हसन, डा. एस के सिंह, डा. निशांत निगम, डा मीतू अग्रवाल, डा. वृन्दा, डा. आर के सिंह, डा. सचिन, सेंट जोसेफ कालेज के प्रधानाचार्य फादर वाल्टर व सेंट अन्थोनी कालेज की प्रधानाचार्य सिस्टर बेसी ने भी रक्तदान कर सबको प्रेरित किया। रक्तदान शिविर का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। सुरक्षित तथा शरीर के लिए लाभदायक भी होता है। इस अवसर पर नाजरेथ अस्पताल के निदेशक फादर विपिन डि सोजा ने सभी रक्तदाताओं और आयोजन टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे। शिविर में युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने विशेष उत्साह पैदा किया। रक्तदान शिविर में लगभग 100 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसे विभिन्न जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया जाएगा।

थाना चोपन पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अन्तर्गत वाहन संख्या यूपी64बीटी9077 पीकप जिसकी अनुमानित कीमत 6 लाख रुपये की चल सम्पत्ति को किया गया कुर्क/जब्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अर्जित चल /अचल सम्पत्ति की जाँच की गयी तो अभियोग सोनभद्र द्वारा उक्त वाहन को कुर्क किये जाने का आदेश

सोनभद्र,अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन/नेतृत्व में चलाये जा रहे सम्पत्ति जब्तीकरण अभियान के क्रम में, धारा 14(1) गैंगेस्टर अधिनियम के अन्तर्गत थाना चोपन जनपद सोनभद्र पर पंजीकृत मु0अ0सं0 112/2025 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धि अभियुक्त रत्नेश कुमार कुशवाहा पुत्र नान्हू कुशवाहा निवासी घिवही थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र के द्वारा अपराधिक कृत्यो से से सम्बन्धित अभियुक्त रत्नेश कुमार कुशवाहा पुत्र नान्हू कुशवाहा उपरोक्त के नाम से वाहन संख्या यूपी64बीटी9077 पीकप होना पाया गया जिसका मुल्याँकन सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा किया गया तो मूल्यांकन मे अनुमानित कीमत 6,00,000 (6 लाख) रुपये निर्धारित हुआ । उक्त वाहन के सम्बन्ध मे जिलाधिकारी सोनभद्र उ0प्र0 गिरोह बन्द समाज क्रिया कलाप निवारण अधिनिय 1986 की धारा 14(1) मे जफ्तीकरण किये जाने हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी जिस पर श्रीमान् जिला मजिस्ट्रेट निर्गत किया गया । जिसके परिपेक्ष मे अभियुक्त रत्नेश कुमार कुशवाहा पुत्र नान्हू कुशवाहा उपरोक्त द्वारा अपराधिक कृत्य से अर्जित वाहन सख्या यूपी64बीटी9077 पीकप को अन्तर्गत धारा 14(1) गैंगेस्टर एक्ट मे कुर्क/जब्त किया गया ।जब्त की गयी सम्पत्ति का विवरण- वाहन सख्या यूपी64बीटी9077 पीकप अनुमानित कीमत 06 लाख रुपये। पुलिस टीम का विवरणः- 01.प्र0नि0 विजय कुमार चौरसिया थाना चोपन सोनभद्र। 02.हे0का0 अजय सिंह यादव थाना चोपन सोनभद्र। 03.का0 केवल कुमार थाना चोपन सोनभद्र।

कानपुर में ज्वेलर कारोबारी पर फायरिंग करने वाले का एनकाउंटर,पैर में लगी गोली,दी थी धमकी,बोला- जिंदा रहना है तो 50 लाख दो

कानपूर। कानपुर में ज्वेलर

कारोबारी पर फायरिंग करने वाले बदमाश को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद अरेस्ट कर लिया। बदमाश को पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी फरार हो गया। कारोबारी पर 8 दिन पहले फायरिंग हुई थी। उनसे बदमाशों ने 50 लाख की रंगदारी मांगी थी।डीसीपी साउथ दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया- 16 जून की देर रात क्राइम ब्रांच और गोविंद नगर पुलिस को बदमाशों के बारे में सूचना मिली। घटना में शामिल आरोपी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसके बाद गोविंद नगर में चेकिंग शुरू की गई। तभी 2 संदिग्ध व्यक्ति बाइक से आते दिखे। पुलिस के रोकने पर आरोपी फायरिंग कर भागने लगे।पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी अनुज तिवारी के पैर में गोली लगी। वह घायल होकर बाइक से गिर पड़ा, जबकि उसका साथी छोटू मौके से फरार हो गया। अनुज रावतपुर के आनंद नगर का रहने वाला है। उस पर पहले से चोरी, छिनैती के कई मामले दर्ज हैं।अनिल गुप्ता उर्फ गुड्डू गोविंदनगर के क्यू ब्लॉक में रहते हैं। उनकी बिल्हौर में सेठ रामकुमार गुप्ता ज्वेलर्स के नाम से शॉप है। अनिल ने बताया- मैं हफ्ते में तीन दिन- रविवार, मंगलवार और शुक्रवार को दुकान जाता हूं। रविवार यानी 8 जून को मैं जैसे शॉप बंद करके स्विफ्ट डिजायर कार से घर के लिए निकला, तभी रास्ते में एक अनजान नंबर से कॉल आई।रिसीव करने पर कॉल करने वाले ने मेरे हैलो कहते ही फोन काट दिया। मैं रात 9:39 बजे घर पहुंचा और कार खड़ी की। फिर डिग्गी से सामान निकाल रहा था, तभी बाइक सवार दो नकाबपोश युवक मेरे पास से गुजरे। बाइक में पीछे बैठे युवक ने पिस्टल निकालकर बाएं हाथ से मुझ पर फायर झोंक दिया।उन्होंने बताया- गोली उन्हें न लगकर घर के बगल में स्थित स्कूल के गेट पर जा लगी। मैंने शोर मचाया तो बाइक सवार हमलावर CT। चौराहे की ओर भाग निकले।

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर गोष्ठी/रैली का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जनपद में 12 से 17 जून 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस का आयोजन किया गया। इसके क्रम में आज औद्योगिक क्षेत्र मिल एरिया में रैली का आयोजन एवं कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता मिलिन्द्र द्विवेदी, सदस्य बाल कल्याण समिति रायबरेली द्वारा की गयी।श्रम प्रवर्तन अधिकारी मान सिंह कुशवाहा द्वारा बाल श्रम निषेध दिवस की महत्ता को बताते हुये कहा कि बच्चो को बाल श्रम कराने के बजाय उन्हे विद्यालयों में भेजा जाये जिससे शिक्षित होकर वह अपना भविष्य बना सकें।सहायक श्रमायुक्त आर0एल0 स्वर्णकार द्वारा बताया गया कि बाल श्रम एक समाजिक समस्या है जिसका उन्मूलन जागरूकता के माध्यम से ही किया जा सकता है, उन्होने अवगत कराया कि श्रम विभाग इस संबंध में जागरूकता लाने में प्रयास करता रहा है तथा बाल श्रम कराने बाले सेवा योजको के विरूध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत प्राभियोजन एवं अन्य विधिक कार्यवाही भी कर रहा है, उन्होने सभी से आवहन किया कि जहा पर भी बाल श्रमिक कार्य करते पाए ऐसे सेवायोजको से यथा संभव बाल श्रम न कराने के लिए प्रेरित करें, समाजसेवी अजय बाजपेई एवं सुरेश कुमार रावत ने संयुक्त रूप में कहा कि बाल श्रम रोकने का सशक्त माध्यम जागरूकता ही है, इसके लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायें।गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे मिलिन्द्र द्विवेदी ने कहा गया कि जनपद मे क्षेत्र भमण के दौरान बाल श्रम करते हुये बच्चे नही दिखायी देते है, अगर कही दिखे भी तो उनके अभिभावकों को बाल श्रम रोकने एवं बच्चो को शिक्षा दिलाने के लिए उन्हे सजग एवं जागरूक किया जा रहा है। उक्त अवशर पर बाल श्रम उन्मूलन हेतु हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया जिसमें उपस्थित अधिकारियो, अगंतुको एवं आम जन मानस द्वारा बाल श्रम प्रथा के उन्मूलन हेतु प्रयास किये जाने का संकल्प लेते हुए हस्ताक्षर किये गये।कार्यक्रम का संचालन एस0एस0 पाण्डेय एवं धन्यवाद के0डी0 पाण्डेय वरिष्ठ सहायक द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर साधना यादव, शैलेन्द्र यादव, रवि पुष्पक, महेन्द्र गौतम, मो0 आसिफ खान, अमर बहादुर, विवेक मौर्य, राधेश्याम, बलजीत यादव, तहमीन बानो, अन्य लोग उपस्थित रहें।

यूपी रोडवेज ने दिया छात्रों को बड़ा तोहफा, एमएसटी से किराए में मिलेगी इतनी छूट; खुशी से उछल पड़ेंगे

मथुरा। रोडवेज बसों में अब स्मार्ट एमएसटी कार्ड बनेंगे। इससे यात्रियों, खासतौर पर छात्र-छात्राओं का सफर आसान हो सकेगा। वह आसानी से कार्ड रिचार्ज कर कम दामों में यात्रा कर सकेंगे। रोडवेज के अधिकारियों ने बताया कि जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर के दायरे में छात्रों को इस छूट का लाभ मिलेगा।उन्होंने बताया कि छात्र से एमएसटी पर 25 यात्राओं का किराया लिया जाएगा। महीने में सिर्फ 60 यात्राओं की ही अनुमति होगी। छात्र पहचान पत्र साथ में रखना अनिवार्य होगा। नए बस स्टेशन इंचार्ज राजेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि एमएसटी बनवाने पर 300 रुपये जमा कराने होंगे। एमएसटी से छात्रों को सामान्य यात्राओं की तुलना में करीब 40 फीसदी तक की बचत होगी। इसको किसी भी बस स्टेशन से रिचार्ज करवाया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय तक प्रतिदिन पढ़ने आने वाले छात्रों को किराए में काफी राहत मिलेगी। अब तक 35 छात्रों ने आवेदन किए हैं। एमएसटी जारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को दो पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, हाईस्कूल की मार्कशीट और स्कूल कॉलेज द्वारा प्रमाणित परिचय पत्र जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में 160 बसों का संचालन अलग-अलग रूटों पर हो रहा है, जिनमें रोजाना छात्र व यात्री यात्रा करते हैं। एआरएम मदन मोहन शर्मा ने बताया कि छात्रों के लिए विशेष छूट दी गई है।

दुल्हन ने कराया दूल्हे का कत्लः मुस्कान-सोनम से भी आगे निकली गुलफशां

रामपुर।रामपुर में शादी से एक दिन पहले खुद को दुल्हन का चचेरा भाई बताकर दूल्हे के घर पहुंचे दो बाइक सवारों ने का उसका अपहरण कर लिया। इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और शव अजीमनगर क्षेत्र के रतनपुरा शुमाली गांव के जंगल में फेंक दिया। हत्या उसकी होने वाली दुल्हन ने अपने प्रेमी से कराई थी।

मेरठ की मुस्कान और मध्य प्रदेश के इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने ही पति की हत्या करवाने की घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है। अब रामपुर में इससे भी ज्यादा सनसनीखेज मामला सामने आया है। भोट इलाके के धनुपुरा गांव निवासी गुलफशां ने शादी से एक दिन पहले ही मंगेतर निहाल (25) का अपने प्रेमी सद्दाम की मदद से अपहरण करवाकर हत्या कर दी।

पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए उसके प्रेमी और एक आरोपी फरमान को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन निहाल के परिजन गुलफशां की तुरंत गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। शहर के मोहल्ला गूजर टोला स्थित फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल का शव अजीमनगर थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव के जंगल में मिला। इसके बाद निहाल के परिवार में कोहराम मच गया। इसके पीछे परिवार के लोगों ने पुलिस को तहरीर देते हुए जो शिकायत की, उससे सभी स्तब्ध रह गए। मृतक के भाई नायब ने सीधे तौर पर निहाल की होने वाली पत्नी गुलफशां को निहाल की हत्या का आरोपी बताया। नायब ने बताया कि उसका भाई बावर्ची का काम करता था। उसका निकाह भोट थाना इलाके के धनुपुरा गांव निवासी गुलफशां से तय हुआ था। यह रिश्ता छह माह पहले तय हुआ था। नायब का कहना है कि 15 जून की तारीख शादी के लिए तय की गई थी। बरात के लिए तैयारियां हो रही थीं। वैवाहिक कार्यक्रम शुरू हो चुके थे। इस बीच 14 जून को एक युवक ने निहाल को फोन कर खुद को गुलफशां का भाई बताते हुए यह कहकर बुला लिया कि उसके कपड़ों का नाप करवाना है। इसके बाद निहाल उन युवकों की बाइक पर बैठकर चला गया। निहाल फिर वापस नहीं लौटा। नायब का कहना है कि परिवार के लोगों ने काफी तलाश की, लेकिन जब कहीं पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी। निहाल के गायब होने के कारण बरात भी नहीं जा सकी। परिवार के लोग उसे तलाशते रहे। रात के समय निहाल का शव अजीमनगर क्षेत्र के जंगल में बरामद हुआ। नायब का कहना है कि गुलफशां ने ही अपने प्रेमी सद्दाम व उसके साथियों के साथ मिलकर हत्या कराई है। नायब ने आरोप लगाया कि गुलफशां और सद्दाम का एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा है। पुलिस ने दो आरोपियों सद्दाम व फरमान को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन अभी गुलफशां व अनीस की गिरफ्तार बाकी है। परिजनों ने कहा कि गुलफशां को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।परिजनों ने इस मामले में होने वाली दुल्हन के साथ ही उसके प्रेमी व दो अन्य साथियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और आरोपियों की निशानदेही पर दूल्हे का शव बरामद कर लिया। हत्या का यह मामला गंज थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। क्षेत्र के मोहल्ला गूजर टोला स्थित फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल (25) का विवाह भोट थाना क्षेत्र के धनुपुरा गांव निवासी गुलफशां से तय हुआ था। निहाल के भाई नायब शाह के मुताबिक निहाल की रविवार को धनुपुरा बरात जानी थी, लेकिन 14 जून को दोपहर में वैवाहिक कार्यक्रमों के बीच निहाल के पास एक युवक का फोन आया, जिसमें उसने खुद को उसका चचेरा साला बताते हुए नए कपड़ों का साइज दिलाने की बात

कहकर उसे घर से बाहर बुला लिया। नायब के अनुसार निहाल को दो युवक बाइक पर बैठाकर ले गए। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। निहाल के परिजनों ने होने वाली दुल्हन व उसके एक प्रेमी के अलावा दो अन्य साथियों पर अपहरण और उसकी हत्या की आशंका जताई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसकी निशानदेही पर अजीमनगर थाना क्षेत्र के रतनपुरा के जंगल में निहाल का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस मामले में निहाल के भाई नायब की ओर से गंज थाने में धनुपुरा निवासी गुलफशां, इसी गांव के सद्दाम, फरमान और अनीस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। नायब का आरोप है कि गुलफशां ने अपने प्रेमी सद्दाम के साथ मिलकर उनके भाई की हत्या कराई है।तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दो लोगों से पूछताछ की जा रही है। एक आरोपी को जेल भेज दिया है। परिवार के आरोपों की जांच की जा रही है।- अतुल श्रीवास्तव, एएसपी

मा0 उद्यान मंत्री, सदर विधायक व डीएम ने लाभार्थियों को चेक किया वितरण

जनपद में 232 लाभार्थी को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजनान्तर्गत 10.94 करोड़ के वितरित किये गये चेक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा जनपद अम्बेडकर नगर से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत उ0प्र0 के 11690 आश्रित परिवारों को रू0 561.86 करोड़ की सहायता राशि का वितरण किया गया।उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के सभी जनपदों व तहसीलों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व लाभार्थियों को डमी चेक वितरित किये गये। इसी क्रम में जनपद रायबरेली में राजकीय इण्टर कॉलेज के सभागार में तहसील सदर के कार्यक्रम का जनपदस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह, सदर विधायक अदिति सिंह, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने तहसील सदर के 107 लाभार्थियों को कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत सहायता राशि के डमी चेक वितरित किये गये, जनपद की सभी तहसीलों में जिसमें सदर 107, महराजगंज 25, लालगंज 42, सलोन 20, ऊँचाहार 23, डलमऊ 15 कुल 232 लाभार्थियों को 10.94 करोड़ रूपये के चेक वितरित किये गये। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि उ0प्र0 सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की श्रंखला में आयोजित इस कार्यक्रम में जनपद रायबरेली के लाभार्थियों को लाभान्वित करने के लिये मैं जनपद रायबरेली के परिवारों की तरफ से मा0 मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में इस योजना का शुभारम्भ हुआ है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने विकास और विरासत के मूल मंत्र के साथ प्रदेश का विकास कर निरन्तर आगे बढ़ाने का कार्य किया है। मा0 प्रधानमंत्री जी व मा0 मुख्यमंत्री जी जिस संवेदनशीलता के साथ लोगों की सेवा करते है। उसी का परिणाम है कि सरकार की योजनाओं की सरहाना कर लोगों का जनसमर्थन लगातार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आज इस मंच से 10 करोड़ 94 लाख रूपये की धनराशि सहयोग व सेवा भाव से लोगों को देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इसके लिये मैं रायबरेली जिला प्रशासन की प्रशंसा करता हूँ कि उनकी मेहनत की वजह से अधिक से अधिक लाभार्थी आज इस योजना से लाभान्वित हुए है। मा0 सदर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के 232 लाभार्थियों में से 107 लाभार्थी सदर तहसील के है जो लाभान्वित हुए है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरा यह प्रयास रहता है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग के पात्र लाभार्थियों को मिले, इसके लिये हम निरंतर प्रयासरत रहते है, यदि किसी भी लाभार्थी को सरकार की योजना का लाभ लेने में किसी प्रकार की कोई समस्या आ रही है तो वह हमसे सम्पर्क कर अपनी समस्या से अवगत करा सकता है, हम उसकी समस्या का समाधान कराकर उसको योजना का लाभ दिलायेंगे। मैं उ0प्र0 सरकार व मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने पीड़ितों के आश्रितों की मदद कर उनके जीवन को सुगम व खुशहाल बनाने का कार्य किया है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, परियोजना निदेशक, ग्रा0वि0अभि0 सतीश प्रसाद मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण व लाभार्थीगण उपस्थित रहें।

नोएडा में होगा तीन दिवसीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन

'फ्रेम्स ऑफ चेंजः ए लेंस ऑन लाइफ' थीम पर आधारित होगा यह विशेष कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। सामाजिक संगठन युवा क्रांति सेना द्वारा नोएडा में एक विशेष तीन दिवसीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है, जो 20 जून से 22 जून 2025 तक सेक्टर 62 स्थित एवियर एजुकेशनल हब में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन, जीवन की विविध झलकियों और जमीनी हकीकतों को कैमरे की नजर से दिखाना है। आयोजन की जानकारी देते हुए युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष श्री अविनाश सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का शीर्षक 'फ्रेम्स ऑफ चेंजः ए लेंस ऑन लाइफ' रखा गया है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के फोटो जर्नलिस्ट भाग लेंगे और अपने कैमरे के माध्यम से समाज के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करेंगे। यह आयोजन न केवल फोटोग्राफर्स को एक मंच देगा, बल्कि समाज में दृश्य अभिव्यक्ति के महत्व को भी रेखांकित करेगा। एवियर कॉलेज के डायरेक्टर अमरेश सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विजेताओं के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार भी रखे गए हैं। प्रथम पुरस्कार रु51,000, द्वितीय पुरस्कार रु31,000, तृतीय पुरस्कार रु21,000 तथा सांत्वना पुरस्कार रु5,100 निर्धारित किया गया है। यह प्रतियोगिता पूरी तरह निःशुल्क है और भाग लेने की अंतिम तिथि 17 जून 2025 रखी गई है।

हंगामा के बीच छठी बार नगर पालिका बोर्ड बैठक हुई निरस्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। नगर पालिका परिषद रायबरेली की बोर्ड बैठक विगत पांच बार असफल होने के बाद छठवीं बार हंगामे के बीच निरस्त हुई। विकास हेतु छठी बार बैठक आहुत हुई थी।बैठक प्रारंभ होते ही अधिकांश सभासद अध्यक्ष को मिली 50,00,000.00 के पॉवर को निरस्त करने का प्रस्ताव लाया गया,जिसे अध्यक्ष द्वारा आपत्ति की गई,इसी पर हंगामा होने लगा,हंगामा मारपीट स्तर तक पहुंच गया। अध्यक्ष द्वारा महिला सभासदों को शराब पी कर हंगामा करने का आरोप लगाया गया, वहीं महिला सभासदों द्वारा अध्यक्ष द्वारा बाहरी व्यक्तियों को बुलाकर उनके साथ बदतमीजी करने का आरोप लगाया गया।हंगामा बढ़ते देख अध्यक्ष सदन छोड़कर चले गए और बैठक समाप्त हो गई।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना की वार्षिक कार्ययोजना के अनुमोदन हेतु जनपद स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्ययोजना के अनुमोदन हेतु जनपद स्तरीय समिति के सदस्यों की उपस्थित में बैठक सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम जिला उद्यान अधिकारी द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के उद्देश्य के बारे में समिति को अवगत कराते हुए वार्षिक कार्ययोजना बारे में विस्तार से बताया गया कि जनपद में बागवानी हेतु 133 हे0, शाभाजी कार्यक्रम हेतु 1000 हे0, पुष्प क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम (गेंदा, गुलाब, ग्लैडयोलस) हेतु 33 हे0, मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम (हल्दी, अदरक, अजवाइन, लहसुन आदि) हेतु 150 हे0, मशरूम यूनिट स्थापना हेतु 20 यूनिट, एरोमेटिक एवं मेडिशनल प्लांट (तुलसी, लेमनग्रास, जैसमिन, गुलाब) हेतु 16 हे0, पुरानी बागों के जीर्णोधार हेतु 21 हे0, फेन्सिंग कार्य हेतु 100 हे0 एवं विभिन्न परियोजना आधारित कार्यकम जैसे संरक्षित कार्यकम, मशीनीकरण कार्यक्रम, स्माल नर्सरी, कोल्ड रूम, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, रैपनिंग चैम्बर, इन्टीग्रेटेड पैक हाउस आदि कार्यकम कराये जाने हेतु कुल धनराशि रू 21 करोड़ 28 लाख की वार्षिक कार्ययोजना तैयार की गयी है, जिस पर समिति के सदस्यों द्वारा अपने-अपने सुझाव दिये। योजनान्तर्गत कृषकों को 25 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक अनुदान देय है। बैठक में उप निदेशक कृषि, जिला पंचायत राज अधिकारी, समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रतिनिधि प्रबन्धक जिला अग्रणी बैंक, सचिव मण्डी समिति, डी0डी0एम0 नाबार्ड, मिशन योजना प्रभारी, प्रगतिशील कृषक एवं अन्य सदस्य आदि उपस्थित रहे।

आज से खुले प्रदेश के प्राइमरी स्कूल, लगातार मांग के बाद बदला गया समय; अब इस समय होगी छुट्टा

लखनऊ। प्रदेश के परिषदीय स्कूल सोमवार 16 जून से खुल गए हैं। हालांकि अभी शिक्षक-कर्मचारी ही स्कूल आ रहे हैं। किंतु भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में 30 जून तक बदलाव किया गया है। अब स्कूल सुबह 7.45 से दोपहर 12.30 बजे तक चलेंगे।बेसिक शिक्षा परिषद सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी के अनुसार शिक्षकों, शिक्षामित्र, अनुदेशक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी 30 जून तक निर्धारित समय में शैक्षणिक व प्रशासकीय कार्य पूरा करेंगे। अभी स्कूलों का समय सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक है। हालांकि परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक इस निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में संशोधन का क्या लाभ, जब शिक्षक कई किलोमीटर दूर से स्कूल जाएगा ही।वहीं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने गर्मी की छुट्टियां बढ़ाने के लिए बेसिक शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रकाश साहू व प्रदेश महामंत्री आलोक सिंह यादव ने कहा है कि इस समय बुंदेलखंड सहित प्रदेश के सभी जिलों में भीषण गर्मी (हीट वेव) है। उन्होंने कहा कि इस गर्मी में शिक्षकों को स्कूल आने का आदेश पूरी तरह अमानवीय व अव्यवहारिक है। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए कई जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इनको भी राहत देने की मांग की थी। कौशाम्बी से सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज, एमएलसी आशुतोष सिन्हा, अरुण पाठक, डॉ. बाबूलाल तिवारी आदि ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिक्षकों-कर्मचारियों के लिए भी विद्यालय 30 जून तक बंद करने की मांग की है।इन्होंने कहा है कि इस दौरान आवश्यक काम ऑनलाइन घर से कराए जा सकते हैं। वहीं उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों का शिक्षण सत्र पूर्व की भांति 1 जुलाई से 20 मई तक किये जाने की मांग की है।संघ के प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी ने कहा है कि पूर्व में प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों का शिक्षण सत्र बदलकर 1 जुलाई के स्थान पर 1 अप्रैल से कर दिया गया था जो कि पूर्णतः अव्यवहारिक है। इससे शिक्षकों, अभिभावकों तथा बच्चों को व्यवहारिक व भौगोलिक स्थितियों के कारण काफी कठिनाइयां आती हैं। गर्मी के कारण अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय भेजने में आनाकानी करते हैं। इसका असर नामांकन में भी पड़ता है। ऐसे में पूर्व की भांति प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों का शिक्षण सत्र 1 जुलाई से 20 मई तक किया जाए।

गजबःचौकी पर कथित भाजपा नेता कर रहा था जनसुनवाई, पुलिस ने दिया चौंकाने वाला जवाब

आगरा। सदर थाने की सीओडी चौकी पर प्राइवेट व्यक्ति के जनसुनवाई करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। शिकायतकर्ता ने जब पुलिस से जवाब मांगा तो एक्स हैंडल पर जवाब दिया गया कि वह चौकी का सफाईकर्मी है। एक्स पर वीडियो व फोटो पोस्ट करके इसकी शिकायत की गई तो डीसीपी सिटी के एक्स हैंडल से बताया गया कि व्यक्ति सफाई कर्मी है। जनसुनवाई नहीं कर रहा था। वहीं जिसे सफाईकर्मी बताया गया है उसे भाजपा का नेता बताया जा रहा है। उसके फोटो होर्डिंग्स में भी हैं।शिकायतकर्ता ने पुलिस के जवाब के बाद एक्स पर फिर शिकायत की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीओडी चौकी पर बाहरी लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि फोटो में दिख रही महिला के बयान दर्ज किए जाने चाहिए थे। वह महिला ही बता सकती थी कि चौकी पर शिकायत लेकर गई तो सुनवाई किसने की थी।सामने कुर्सी पर बैठा व्यक्ति उससे क्या पूछ रहा था। महिला के बयान लिए जाते

9 जुलाई को देशव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर मजदूर संगठनों ने की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। मजदूरों के अधिकार और सुरक्षा छीनने वाले विनाशकारी 4 श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) को अविलंब रद्द करने की मांग को लेकर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय राष्ट्रीय फेडरेशनों व एसोसिएशनों के संयुक्त मंच के आह्वान पर 9 जुलाई को होने वाली देशव्यापी आम हड़ताल को गौतम बुद्ध नगर में सफल बनाने के लिए नोएडा गौतम बुध नगर के मजदूर संगठनों के नेताओं की बैठक आज सेक्टर- 3, नोएडा में हुई। बैठक में हड़ताल को सफल बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाने की योजना तय की गई साथ ही बैठक में इंटक नेता संतोष तिवारी, योगेंद्र चौहान, सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामसागर, रामस्वारथ, टीयूसीआई नेता उदय चंद्र झा, एक्टू नेता अमर सिंह, प्रेम त्यागी, हिंद मजदूर सभा के नेता रितेश झा, एटक नेता मोहम्मद नईम, यूपीएलएफ नेता राम नरेश यादव व ललित शर्मा, यूटीयूसी नेता नूर आलम, पश्चिम निर्माण मोर्चा उत्तर प्रदेश नेता ललित श्वास पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा, श्रमिक प्रतिनिधि अविनाश कुमार पचौरी ढह आदि संगठनों के नेताओं ने भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि योगी सरकार ने अपने 8-9 साल के कार्यकाल में एक बार भी मजदूरों के वेतन में बढ़ोतरी नहीं किया है। जबकि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है आज प्रदेश में मजदूरों का न्यूनतम वेतन 11000 रुपया से भी कम है इतने कम वेतन में मजदूर कैसे जिंदा रह पाएगा यह बात प्रदेश सरकार की समझ में क्यों नहीं आ रही है? योगी सरकार के शासनकाल में श्रम कानून के उल्लंघन के मामले बढ़ने से मजदूरों का उत्पीड़न- शोषण शीर्ष स्तर पर है! योगी सरकार के राज्य में पुलिस प्रशासन की निरंकुशता बढ़ी है! योगी सरकार ने प्रदेश के कामगारों के पक्ष में आज तक कोई ऐसा काम नहीं किया जिसे सरकार अपनी उपलब्धियां के रूप में गिना सके सबका साथ सबका विकास का नारा खोखला है! वक्ताओं ने कहा कि सरकार जिस दिन मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों को लागू करेगी उसके अगले दिन से व्यापक स्तर पर मजदूर संगठन जबरदस्त तरीके से विरोध प्रदर्शन शुरू कर देंगे! साथ ही उन्होंने जनपद के मेहनतकशों से 009 जुलाई 2025 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को जनपद में सफल बनाने की अपील किया।बैठक में यह भी तय किया गया कि 23 जून 2025 को बीएचईएल कम्पनी सेक्टर- 16, नोएडा पर होने वाली महापंचायत में सभी संगठनों के पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति के लिये विद्यालय द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने हेतु समय सारणी निर्धारितः सृष्टि अवस्थी

रायबरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी ने बताया है कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में शासन द्वारा निर्गत समय-सारिणी के अनुसार दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत (सामान्य वर्ग हेतु) विद्यालय द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने हेतु 07 जुलाई, 2025 से 25 नवम्बर, 2025, छात्र-छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन हेतु 10 जुलाई, 2025 से 20 दिसम्बर, 2025 तथा विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने हेतु 11 जुलाई 2025 से 10 जनवरी, 2026 तक तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने जनपद के समस्त विद्यालयों के प्राचार्य/प्रधानाचार्य से कहा है कि निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार कार्यवाही पूर्ण किये जाने हेतु छात्रों को अवगत करायें तथा अपने स्तर से भी समयान्तर्गत कार्यवाही पूर्ण करें, जिससे कोई भी पात्र छात्र/छात्राएं छात्रवृत्ति से वंचित न रहें।

माह जुलाई से दिसम्बर तक ब्लॉक दिवस का रोस्टर निर्धारितः सीडीओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली।मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने शासन के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों की जन समस्याओं/शिकायतों के प्रभावी निस्तारण किये जाने के लिए प्रत्येक विकास खण्ड मुख्यालय पर माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को "ब्लाक दिवस" का आयोजन प्रातः 10 बजे से 02 बजे तक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड में आयोजित ब्लाक दिवस के सफलतापूर्वक आयोजन कराये जाने हेतु सम्बन्धित विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारी प्रभारी/नोडल अधिकारी होंगें। सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी प्राप्त शिकायतों का रजिस्टर तैयार कर शिकायतों को यथास्थान अंकित कराते हुए उनका गुणवत्तापरक निस्तारण समयबद्धता के साथ सुनिश्चित करेंगें।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को आयोजित होने वाले ब्लाक दिवस में परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त, श्रम रोजगार एवं उपायुक्त स्वतः रोजगार को प्रतिभाग करने हेतु माह जुलाई 2025 से दिसम्बर 2025 तक रोस्टर निर्धारित किया जाता है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार 02 जुलाई 2025 को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 विकासखंड रोहनियां में, जिला विकास अधिकारी विकासखंड ऊँचाहार में, उपायुक्त, श्रम रोजगार विकास खण्ड अमावां एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार विकास खण्ड सतावं के ब्लॉक दिवस में प्रतिभाग कर समस्याओं का निस्तारण करायेंगे।इसी प्रकार 16 जुलाई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 ब्लॉक सरेनी में, जिला विकास अधिकारी ब्लॉक सलोन में, उपायुक्त, श्रम रोजगार ब्लॉक छतोह में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार ब्लॉक खीरों में। 06 अगस्त को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 शिवगढ़, जिला विकास अधिकारी बछरावां, उपायुक्त, श्रम रोजगार दीनशाहगौरा, उपायुक्त, स्वतः रोजगार हरचन्दपुर में। 20 अगस्त को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 राही, जिला विकास अधिकारी जगतपुर, उपायुक्त, श्रम रोजगार डीह, उपायुक्त, स्वतः रोजगार लालगंज में।

विमल त्यागी राष्ट्रीय अध्यक्ष और मनमिंदर भाटी बने संगठन के महासचिव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। शहर के किसानों की समस्याओं के लिए संघर्षरत भारतीय किसान यूनियन मंच द्वारा अपनी कार्यकारिणी में बदलाव किया गया। दो साल का समय पूर्ण होने के बाद मौजूदा कार्यकारिणी को भंग करते हुए संगठन की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। मंगलवार को नोएडा के सेक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में भारतीय किसान यूनियन मंच के संरक्षक मंडल द्वारा प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया, प्रेसवार्ता के दौरान राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधीर चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में काम कर रही कार्यकारिणी के 2 साल पूर्ण होने के बाद संरक्षक मंडल की सहमति से संगठन की नयी कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। जिसमें विमल त्यागी को भारतीय किसान यूनियन मंच का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया है।

बाजार जा रहे युवक को 18 चक्का ट्रक ने कुचला,सुकरी चौकी क्षेत्र का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सुकृत चौकी क्षेत्र में वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर सड़क पार कर बाजार जा रहे पैदल युवक पर रावटसगंज की तरफ से जा रही 18 चक्का ट्रक ने मारा धक्का इलाज के दौरान हुई मौत। जानकारी के अनुसार नीरज प्रजापति 31 वर्षीय पुत्र विश्राम प्रजापति निवासी सुकृत बाजार घर से सोमवार सुबह सामान लेने के लिए निकले थे कि कुछ दूरी पर सड़क क्रॉस करने जा रहे थे इसी बीच 18 चक्का ट्रक के चपेट में आ गए आसपास के लोगों द्वारा एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजा गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया रास्ते में ले जाते वक्त हुई युवक की मौत। उधर इसकी सूचना मिलते ही पुलिस हुई सक्रिय ट्रक को अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुटी।

पेड़ की डाली पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले व्यक्ति को थाना प्रभारी अनपरा द्वारा सकुशल नीचे उतारा गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रात्रि प्रभारी निरीक्षक अनपरा सोनभद्र, शिव प्रताप वर्मा वाराणसी से साक्ष्य देकर वापसी में सिदहवाँ जंगल से गुजर रहे थे कि उसी समय लोगों को रोड के किनारे खड़ा देख रुककर पूछा गया तो एक व्यक्ति ललित गुप्ता उर्फ पप्पू पुत्र गुलाब निवासी सिदहवाँ थाना अनपरा पेड़ की डाली पर फांसी का फंदा लगाकर बैठा था। थाना प्रभारी अनपरा द्वारा भीड़ को चुप कराकर हिकमत अमली से बात करके आत्महत्या के लिए फांसी का फंदा लगाकर पेड़ की डाली पर बैठे व्यक्ति सकुशल पेड़ से नीचे उतरवाया गया। पूछने पर उसने खेत की बिक्री के 22 लाख रुपये को लेकर माँ से विवाद होना बताया। ललित गुप्ता उर्फ पप्पू उपरोक्त विवाहित है और उसके 05 बच्चें हैं तथा अनपरा प्लांट में नौकरी करता है। प्रभारी निरीक्षक अनपरा द्वारा उसे थाना अनपरा पर साथ लाया गया है और उसकी पत्नी, उसके पांचो बच्चों और माता-पिता को काउंसलिंग हेतु बुलाया गया है।

कोन वन रेंज में माफियाओं का कहर, वन विभाग के खिलाफ किए प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोन/सोनभद्र-ओबरा वन प्रभाग के वन रेंज कोन अन्तर्गत सम्पूर्ण

सेक्सन में वन भूमि पर कब्जा व पेड़ों की कटान बदस्तुर् जारी है। इसी क्रम में बतातें चलें कि बागेसोती बीट के झारखंड अंतर्राज्जिय सीमा पर झारखंड वासियों द्वारा उत्तर प्रदेश के सीमा के अंदर लगभग 70 मीटर आकर घर तक बना लिया गया है और वहीं खोहिया जंगल, बड़ाप् के ललुआखोह, बेवरा(बरवाहीखोली) अचरज(हड़वरिया) टेवना (घटवारिया) भालुकूदर् के धरनवा बॉर्डर, कोन के मिश्री, चांचीकलां सहित अन्य जगहों पर बड़े पैमाने पर पेडों को कटान करके वन भूमि पर कब्जा किया जा चुका है । जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों से किया जा चुका है किन्तु संबंधित विभाग द्वारा फर्जी कागजी कोरम पूरा करने का सिलसिला अन्वरत जारी है। जिससे क्षुब्ध होकर आज तड़के सलैयादामर में स्थानीय लोगों ने रघुवर प्रसाद पासवान की अगुवाई में वन विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए कहा कि वन विभाग की मनमानी नहीं चलेगी, नहीं चलेगी, , वन विभाग होश में आओ, होश में आओ, जैसे नारे लगाए गये और कार्रवाई न होने की दशा में आंदोलन करने की बातें कही। जिसके क्रम में वन विभाग से नाराज ग्रामीणों ने कहा कि कोन वन रेंज के अधिकारियों व कर्मचारियों की अफसरशाही इस कदर बढ़ गई है कि क्षेत्र में कोई भी कर्मचारी गस्त नहीं करता और वहीं स्थानीय वन चौकी वीरान पड़ा है। शिकायत करने पर इनके द्वारा कार्यवाही का आश्वासन देकर सिर्फ फर्जी खानापूर्ति किया जाता है। जिससे अबैध खननकर्ताओं व भू माफियाओं के हौसलें बुलंद हैं और वहीं संबंधित विभाग राजस्व विभाग को पत्राचार कर अपने कर्तब्य की इतिश्री कर लेता है और राजस्व विभाग द्वारा समयाभाव के कारण टाल दिया जाता है जो सोचनीय है।बतातें चलें कि इन दिनों कोन वन रेंज माफियाओं के गिरफ्त में है जिससे साफ तौर पर वन क्षेत्रों में घर तक देखा जा सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि वन विभाग द्वारा मौन सहमति देते हुए वन माफियाओं को खुली छूट दे रखी है। जिसके क्रम में भाजपा बूथ अध्यक्ष कैलास राम भारती ने आरोप लगाया है कि वन विभाग की मिली भगत से हरे पेड़ों की कटान और वन भूमि पर कब्जा जारी है और यहाँ तक वन विभाग का कोई भी कर्मचारी स्थानीय चौकी पर नहीं रहता है और चुप्पी साधे हुए है। वहीं स्थानीय निवासी रघुवर प्रसाद ने बताया कि वन भूमि पर कब्जा को लेकर कई बार प्रदर्शन और शिकायत किया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई । जिसके क्रम में कई बार संबंधित पोर्टल व स्थानीय समाचार पत्रों व न्यूज चैनल में खबर प्रकाशित भी हुआ है फिर भी वन विभाग मुकदर्शक् बनकर तमाशबिन बना हुआ है। प्रदर्शन करने वालों में वन समिति अध्यक्ष कचनरवा बिहारी प्रसाद यादव ,भाजपा बूथ अध्यक्ष कचनरवा कैलास राम भारती , रघुवर पासवान, व राजकुमार, बंधु शंभु , दयाशंकर आदि लोग शामिल रहे। जिसके क्रम में लोगों ने बताया कि वन रेंज कोन के कोन, बागेसोती , भालुकूदर, में वन भूमि पर अबैध कब्जा करना जारी है वहीं विभाग कार्यवाही के नाम पर शिकायत कर्ताओं से लिखित शिकायत करने की बात या अन्य कारणों से पल्ला झाड़ लेते हैं ।जब लिखित शिकायत की जाती है तो संबंधित जाँच अधिकारी द्वारा घर बैठे बैठे या किसी को विना सूचना दिये जी पी एस मैप के द्वारा खानापूर्ति करते हुए माफियाओं के बचाव पक्ष में फर्जी जाँच आख्या लगा दी जाती है। इसी क्रम में पर्यावरणविदों ने जंगलों में पेड़ों की अंधाधुंध अबैध कटान व जमीन पर अबैध कब्जा को लेकर चिंता ब्यक्त किया है।आखिर सबसे बड़ा सवाल उठता है कि संबंधित विभाग इन माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं करता, जबकि भ्रष्टाचार के मामले में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश सरकार माफियाओं को मिट्टी में मिलाने के कटिबद्ध है। इसी क्रम में कुछ दिन पहले जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया था कि क्षेत्र में कहीं भी पेड़ों की कटान और भूमि पर कब्जा, अबैध खनन न हो लेकिन माफियाओं द्वारा उनके आदेशों को दर किनार करते हुए अंधाधुंध पेड़ों की कटान करके भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ कुछ जानकारों का कहना है कि प्रदेश के मुखिया का जीरो टालरेंस की नीति को वन कर्मियों व माफियाओं द्वारा सरेयाम ठेंगा दिखाया जा रहा है। इसी क्रम में बतातें चलें कि कोन वन रेंज चांची कला निवासी सत्यानंद चौबे ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि चांचीकला में वन भूमि कब्जा को लेकर कई बार शिकायत किया लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्यवाही के नाम पर फर्जी कागजी कोरम पूरा किया जाता है और न ही इनके द्वारा कॉल रीसिव किया जाता है।इस मामले में वन क्षेत्राधिकारी कोन सतेंद्र सिंह से सेल फोन पर सम्पर्क किया गया लेकिन कॉल रीसिव नहीं हुआ।बहरहाल प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा इस मामले में कौन सा कार्यवाही किया जायेगा यह तो वक्त ही बतायेगा या कागजों में ही सिमट कर रह जायेगा।

सीओ ने अर्दली रूम, विवेचनाओं का त्वरित निस्तारण को दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय द्वारा थाना करमा का अर्दली रूम किया गया। अर्दली रूम के दौरान क्षेत्राधिकारी द्वारा लम्बित विवेचनाओं के सन्बंध में विस्तृत रूप से वार्ता करते हुये लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गई तथा विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु सम्बंधित विवेचकों को निर्देशित किया गया, साथ ही आईजीआरएस व जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी द्वारा अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण

पर जोर देते हुए वांछित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, रात्रि में चौराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के तस्करों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, थाने के मालों का निस्तारण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही वर्तमान समय में शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी आदेशों एवं अभियानों के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

थाना पिपरी पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण में वारण्टी/ वांछित अभियुक्त गण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में आज दिनांक 17.06.2025 को थाना पिपरी पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी अभियुक्तगण क्रमशः 1. विनोद कुमार राय पुत्र सुरेन्द्र कुमार राय निवासी चाचा कालोनी रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र, 2. लक्ष्पतिया देवी पत्नी स्व0 राम बचन यादव निवासी मेन रोड रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र, 3. नीशु कुमार पुत्र लोकनाथ पाण्डेय निवासी -451() मुरलीगढ़ी तुर्रा थाना पिपरी जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। इनकी गिरफ्तारी से पिपरी क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगेगा।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1.प्र0नि0 सत्येन्द्र कुमार राय थाना पिपरी जनपद सोनभद्र, 2.उ0नि0 राजेश जी चौबे चौकी प्रभारी रेनुकूट थाना पिपरी सोनभद्र, 3.उ0नि0 दिलीप कुमार सिंह थाना पिपरी जनपद सोनभद्र, 4.हे0का0 शंकर लाल चौकी रेनुकूट थाना पिपरी सोनभद्र, 5.हे0का0 महेश कुमार सरोज थाना पिपरी जनपद सोनभद्र, 6.का0 अजीत कुमार चौकी रेनुकूट थाना पिपरी सोनभद्र, 7.का0 सुनील कुमार खरवार चौकी रेनुकूट थाना पिपरी सोनभद्र, 8.म0का0 नेहा गिरी थाना पिपरी जनपद सोनभद्र,9.म0का0 रेनू यादव थाना पिपरी जनपद सोनभद्र।

दूसरी राष्ट्रीय हैमर बॉल चैंपियनशिप पुरुष व महिला वर्ग सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। हिमाचल प्रदेश ऊना में संपन्न हुई दूसरी राष्ट्रीय हैमर बॉल चैंपियनशिप पुरुष व महिला वर्ग 2025 26 का सफल समापन कल हुआ। रविवार हुई इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम सचिव दीपक कुमार श्रीवास्तव एवं सहसचिव अशोक कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग में रजत पदक विजेता हुई आज टीम की वापसी हुई टीम का स्वागत जिला हैमर बॉल संघ के अध्यक्ष संतोष कुमार पांडे डिप्टी सीएमओ डॉ. एस के जायसवाल संरक्षक राजेंद्र जैन कोषाध्यक्ष विनोद धर कोषाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव एवं खिलाडियों के अभिभावकों द्वारा उत्साह के साथ किया गया पुरुष वर्ग की टीम का नेतृत्व मुर्शिद जमाल एवं महिला टीम का नेतृत्व कुमारी अल्का ने किया संघ के अध्यक्ष संतोष कुमार पांडे एवं डिप्टी सीएमओ डॉक्टर एस के जायसवाल ने एक राष्ट्रीय स्तर की हम एर बॉल की प्रतियोगिता कराने का संकल्प लिया जिला हैमर बॉल संघ के सचिव दीपक कुमार श्रीवास्तव ने भव्य स्वागत व समर्थन हेतु आये हुए सभी गणमान्य एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

स्टॉप डायरिया अभियान शुरू,:आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर देंगी ओआरएस और जिंक की गोलियां, स्वच्छता को करेंगी जागरूक

सोनभद्र। स्वास्थ्य विभाग ने

पांच वर्ष तक के बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। यह अभियान 16 जून से 31 जुलाई तक चलेगा। इसमें ओआरएस-जिंक की को-पैकेजिंग और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आशा संगिनी घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों की सूची बनाएंगी। प्रत्येक बच्चे को दो पैकेट ओआरएस घोल दिया जाएगा। सीएमओ अश्विनी कुमार के अनुसार, इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास, पेयजल एवं स्वच्छता, ग्राम्य विकास समेत कई विभाग शामिल हैं। अगर कोई बच्चा दस्त से पीड़ित मिलता है, तो उसे ओआरएस के दो पैकेट और जिंक की 14 गोलियां दी जाएंगी। आशा कार्यकर्ता ओआरएस घोल बनाने का तरीका भी समझाएंगी। दो से छह माह के बच्चों को जिंक की आधी गोली और सात माह से पांच वर्ष के बच्चों को एक गोली 14 दिन तक दी जाएगी। डायरिया के दौरान बच्चों को नीबू, छाछ, मांड, ताजे फलों का जूस, दाल का पानी या उबला पानी पिलाया जा सकता है। डिहाइड्रेशन के लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई है। आरोग्य केंद्रों पर ओआरएस पैकेट और जिंक गोलियों की पर्याप्त उपलब्धता रखी जाएगी। डायरिया से सिर्फ बच्चे ही नहीं, बड़ों को भी नुकसान न पहुंचे, इसके लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर ओआरएस-जिंक कार्नर स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। सीएमओ ने बताया कि सभी सीएचसी, पीएचसी और आरोग्य मंदिर पर यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के तैयारियों के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ की गयी बैठक

176 जनजाति बाहुल्य ग्रामों में 17 विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से जनजाति समुदाय को लाभान्वित कराने हेतु विभिन्न तिथियों पर ग्राम पंचायतों में आयोजित किये जायेंगें कैम्प-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक की गयी, बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के चयनित 176 जनजाति बाहुल्य ग्रामों को जिसमें विकास खण्ड बभनी के 39 ग्राम, दुद्धी-29 ग्राम, म्योरपुर-30 चोपन-09, कोन-11, राबर्ट्सगंज-02, नगवा-24, चतरा-29, घोरावल-03 ग्रामों को चमबपपिमक पदजमतअमदजपवद द्वारा संतृप्त किये जाने हेतु चयनित ग्रामों का सर्वे कराते हुए क्रिटिकल गैप डाटा के संकलन के आधार पर जनजातीय समुदायों के लोगों को बिजली, पेय जल, सडंक, आवास, पशु पालन, रोजगार, कौशल विकस, दूरसंचार, स्वास्थ्य, जैसी भारत सरकार की कुल 17 विभागो से संचालित योजनाओं से लाभान्वित किये जाने संतृप्त किये किये जाने की योजना है। वर्तमान में अनुसूचित

जनजाति वर्ग के ग्राम वासियों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रामण पत्र अधिवास प्रामण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम-किसान, जन-धन खाता, बीमा कवरेज (पी0एम0जे0जे0बी0वाई0/ पी0एम0एस0बी0वाई0), सामाजिक सुरक्षा (वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन) रोजगार और आजीविका मिशन ट ा ा ` ज ा न ा ा ए (पी0एम0एन0आर0ई0जी0ए0,पी0एम0 विश्वकर्मा, मुद्रा लोन) महिला एवं बाल कल्याण (पी0एम0एम0वीवाई, आई0सी0डी0एस0 लाभ, टीकाकरण) आदि से जनजाति समुदाय के व्यकितयों को लाभान्वित किये जाने हेतु बैठक कर 18 जून,2025 से दिनांक-28 जूरन,2025 तक धरती आबा अभियान-जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन ग्राम सभा की ग्राम पंचायतों पर किये जायेंगें, एवं 30 जून,2025 को कैम्प का समापन कार्यक्रम जनपद मुख्यालय पर किया जायेगा, इस दौरान उन्होंने कहा कि सम्बन्धित अधिकारी गांवों में आयोजित होने वाले कैम्पों में अधिक से अधिक ग्राम वासियों की सहभागिता प्रतिभागिता सुनिश्चित करायेंगें और केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 17 प्रकार की योजनाओं से पात्र गरीबों को लाभान्वित कराना सुनिश्चित करेंगें।

30वीं पुण्यतिथि पर जननायक रामनाथ पाठक को काव्यांजलि से कवियों ने किया याद,रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पसही में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पूर्व विधायक लोकहित के लिए सदैव तत्पर रहे दिवंगत जननायक रामनाथ पाठक को उनके तीसवें बरसी पर कवियों ने भव्य दिव्य कवि सम्मेलन कर पसहीं कला में देर शाम मार्कण्डेय राम पाठक के आयोजन व वरिष्ठ साहित्यकार अजय शेखर की अध्यक्षता में व रामनाथ शिवेन्द्र मुख्य अतिथि के सानिध्य में काव्यांजलि से पूरे आयोजन को साहित्यमय बना दिया। वाणी वंदना करते हुए ईश्वर विरागी ने मां शारदे मां शारदे,,, कवियों को कोकिल स्वर कर दे से आगाज हुआ। उनकी रचना देश में नव विहान लायें हम एकता के गीत गुनगुनायें हम काफी सराही गई। कवयित्री रचना तिवारी गीतकार ने, हवा हूँ इक हवा हूँ मैं, बुजुर्गों की दुआ हूँ मैं, महकना हो तो आ जाओ, मोहब्बत का पता हूँ मैं सुनाकर तालियां बटोरीं। प्रदुम्न कुमार त्रिपाठी एडवोकेट ने प्यार सदभाव का आचरण चाहिए, मन में सुचिता सरल व्याकरण चाहिए, हैं मनुज तो मनुजता निभाते चलें, विवेकानंद सा जागरण चाहिए सुनाकर वाहवाही लूटी। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, मुझको अबला मत समझो मैं झांसी वाली रानी हूँ। दिव्या राय ने, खुदा उस महल में बेटी न देना, जहाँ बेटियों की कदर ना रहे धर्मेश चौहान एडवोकेट ने हिंदोस्तान पर मेरा तन मन धन कुरबान, जयराम सोनी ने, प्रधानी चुनाव पर हास्य व्यंग्य की रचना, विवेक चतुर्वेदी ने शायरी सुनाकर वातावरण में जलवा बिखेरा। शायर अब्दुल हई की गजल, रो के बुलबुल ने कहा कैद से रिहा न करो, गुल हितों पर कभी सैयाद के पहले होंगे काफी सराही गई। राकेश शरण मिश्र एडवोकेट, सुधाकर स्वदेश प्रेम, दयानंद दयालू ने भी काव्यांजलि से महफ़िल को रौनक किया। ओज कवि प्रभात सिंह चंदेल ने, छाती तान डटा सरहद पर होने को बलिदान, सुनाकर वातावरण देशभक्ति का सृजित किया सराहे गये। विशिष्ट अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र ने हमें रोटियां ही दीजिये बहुत भूख लगी है, दे रहे हैं गीता कुरान किसलिए सुनाकर सदभावना समरसता का संदेश दिया। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्य कार चिंतक निदेशक मधुरिमा साहित्य गोष्ठी अजय शेखर ने रामनाथ पाठक के कृतित्व व्यक्तित्व कार्य व्यवहार की विशद चर्चा करते हुए अपनी रचना, मानव कल्याण हित विषपान करते हैं, हम अस्थि से भी वङ्का का निर्माण करते हैं सुनाकर महफ़िल को पूर्णता प्रदान किये। आभार कौशलेश पाठक धन्यवाद भाषण मार्कण्डेय राम पाठक ने व्यक्त किया। इस अवसर पर देर रात तक श्रोता जमे रहे, जिनमें विजयशंकर चतुर्वेदी, पूर्व विधायक तीरथराज ,भोलानाथ मिश्र, फरीद अहमद, मृदुल मिश्रा, कन्हैया पाण्डेय राघवेंद्र तिवारी आदि रहे।

रालोद के व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बनाए गए: सचिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र

के व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बनाए गए सचिन गुप्ता। राष्ट्रीय लोक दल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा की। इसी क्रम में ।राबट्र्सगंज के प्रतिष्ठित व्यवसायी सचिन गुप्ता को जनपद सोनभद्र का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। सचिन गुप्ता के मनोनयन पर कार्यकताओं ने उनको बधाई दी। श्री गुप्ता ने व्यापारियों के हितों को वरीयता देने की बात कही साथ ही जनपद व्यापारिक समुदाय में चौधरी चरण सिंह जी की वैचारिकी का प्रसार कर बड़ी संख्या में इस वर्ग को पार्टी से जोड़ने को अपनी प्राथमिकता बताया। युवा लोकदल के प्रदेश सचिव विवेक चतुर्वेदी ने शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया वहीं प्रदेश सचिव युवा विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि ऐसे ऊर्जावान लोगों से पार्टी मजबूत होती है। सुरज चौवे , आशु केजरीवाल , दिपक , विरेन्द्र कुमार मिश्रा , कल्लू बाबा , अनुप केशरी , जुल्ला , जित्तेद कुमार , जित्तु व अन्य लोगों ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को बधाई दी।

आंधी पानी में विद्युत तार सड़क पर गिरा आवागमन बाधित,बास बल्ली के सहारे चल रही विद्युत व्यवस्था चरमराई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। सदर तहसील अंतर्गत वार्ड नंबर 16 बभनौली में आंधी पानी से बास बल्ली के सहारे चल रही विद्युत व्यवस्था चरमराई बल्ली टूटने से सड़क पर गिरे कनेक्शन वायर आवागमन बाधित रहवासियों में आक्रोश। वहीं रहवासिय पुष्पा देवी धर्मशिला संगीता पाठक राजेश कुमार मोदनवाल उमेश जायसवाल ज्ञानती देवी सत्यम पाठक सोनी देवी सविता सिंह पार्वती देवी ने बताया कि इस वार्ड में कनेक्शन तो बिजली विभाग द्वारा दे दिया गया है मगर पोल नहीं लगाया गया बॉस बल्ली के सहारे बिजली तार ले जाने को रहवासी हुए मजबूर वही सोमवार को आंधी पानी से विद्युत तार सड़क पर जा गीरा आवागमन हुआ बाधित सं बा ाधि ा त रहवासियों ने बिजली विभाग व टोल फ्री नंबर सीएम पोर्टल सहित विभिन्न शिकायत प्रकोष्ठ पर शिकायत दर्ज कराया मंगलवार देर शाम तक कोई विभागीय जवाब नहीं मिला प्रवासियों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए मामले में संज्ञान लेते हुए न्याय दिलाए जाने की गुहार लगाई। वहीं रह वासियों ने बताया कि तार जमीन पर गिरने से कई जगह टूट गए हैं जिससे करंट आ रहा है बड़ी घटना जन हानि के इंतजार में बैठा है बिजली विभाग ।

शुभमन की टीम के सामने तीन विदेशी दौरे, द. अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का रास्ता कठिन

नयी दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र के समापन के साथ ही अब नए चक्र को लेकर बातें होनी शुरू हो गई हैं। इस चक्र को दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अपने नाम किया। तेम्बा बावुमा की टीम ने गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। अब नए चक्र की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसकी शुरुआत 17 जून से हो जाएगी, जब श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें भिड़ेंगी। वहीं, टीम इंडिया 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ नए टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगी। यह डबल्यूटीसी का चौथा संस्करण होगा। इस दौरान अगले दो साल में नौ टीमों के बीच कुल 71 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। इस चक्र में कई टीमें बदलाव के दौर से गुजरेंगी और एक नई शुरुआत करना चाहेगी।इसमें टीम इंडिया भी शामिल है, जो नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में इस चक्र में उतरेगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद से भारतीय टीम बदलाव के दौर में है। वहीं, इंग्लैंड की टीम के लिए भी जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के बिना सफर आसान नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को भी इस बार कठिन चुनौतियां मिली हैं और उनके लिए स्थिर बने रहना बड़ी चुनौती होगी। वहीं, पाकिस्तान को एक बार फिर आसान विदेशी दौरे मिले हैं, लेकिन उनके लिए इससे पार पाना बड़ी चुनौती होगी। पाकिस्तान की टीम 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र में आखिरी यानी नौवें स्थान पर रही थी।ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में सबसे ज्यादा 22 टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं, इंग्लैंड की टीम 21 मैच खेलेगी। इसके बाद 18 मैचों के साथ भारत तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड को 16 और दक्षिण अफ्रीका-वेस्टइंडीज को 14-14 टेस्ट खेलने हैं। पाकिस्तान की टीम 13 और श्रीलंका-बांग्लादेश को 12-12 टेस्ट खेलने हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश, भारत और इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम इस चक्र में अपने अभियान की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी। इसकी शुरुआत 25 जून से होने जा रही है। वहीं, चैंपियन दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ अक्तूबर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी। कम टेस्ट मैच होने की वजह से दक्षिण अफ्रीका के दो टेस्ट सीरीज के बीच काफी गैप है।भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून से होने जा रही है। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की सीरीज खेलेगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट दो अक्तूबर से और दूसरा टेस्ट 10 अक्तूबर से खेला जाएगा। फिर भारतीय टीम घर पर ही दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। इसका पहला मुकाबला 14 नवंबर से और दूसरा मकाबला 22 नवंबर से खेला जाएगा।

अब चार दिन के होंगे टेस्ट मैच, इस नियम को कब से लागू करेगा आईसीसी? भारत समेत तीन टीमें रहेंगी अपवाद

नयी दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के आने के बाद से टेस्ट क्रिकेट का रोमांच दोगुना हो गया है। अब टीमों के बीच जीत को लेकर रोमांचक जंग देखने को मिलती है। हालांकि, इसे और रोचक बनाने के लिए आईसीसी प्लेइंग कंडीशन में बदलाव करने जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2027-29 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमें इसमें अपवाद रहेंगी। ये तीनों देश एक दूसरे के खिलाफ पारंपरिक पांच दिवसीय मैच खेल सकते हैं। मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण और बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। आईसीसी का मानना है कि इससे छोटे देशों को ज्यादा से ज्यादा टेस्ट और लंबी सीरीज खेलने में मदद मिलेगी।'द गार्जियन' अखबार की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल में चर्चा के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसकी चर्चा फाइनल के दौरान इसलिए हुई ताकि समय से इस नियम को मंजूरी मिल सके और इसके लिए नियम बनाएं जा सकें। हालांकि, इस नए नियम के बाद भी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत एक दूसरे के खिलाफ यानी एशेज सीरीज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान पांच दिवसीय टेस्ट मैच खेल सकेंगी।' हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज को पटौदी सीरीज से हटाकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया है। हालांकि, इस नाम का लॉन्च होना अभी बाकी है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून से लीड्स में होने जा रही है।आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के साथ चार दिवसीय मैच खेला था। रिपोर्ट के मुताबिक, 'कई छोटे देश समय और लागत के कारण टेस्ट मैचों की मेजबानी करने से कतराते हैं, लेकिन चार दिवसीय क्रिकेट की ओर कदम बढ़ाने से तीन टेस्ट मैचों की पूरी सीरीज तीन सप्ताह से भी कम समय में खेली जा सकेगी।'रिपोर्ट में कहा गया है, 'चार दिवसीय टेस्ट मैचों में समय की बर्बादी को कम करने के लिए एक दिन के अंदर खेल के समय को बढ़ाकर प्रतिदिन न्यूनतम 98 ओवर कर दिया जाएगा। मौजूदा पांच दिवसीय टेस्ट में एक दिन में अधिकतम 90 ओवर गेंदबाजी होती है। पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक फाइनल में विश्व चैंपियन बनने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने इस मुद्दे को और उजागर किया है और बदलाव की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया है।'हालांकि, 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पांच दिवसीय मैचों के मौजूदा प्रारूप के तहत जारी रहेगी। इसकी शुरुआत मंगलवार को श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज से होगी। 2025-27 चक्र में प्रतिस्पर्धा करने वाले नौ देशों के बीच खेली जाने वाली 27 टेस्ट सीरीज में से 17 सीरीज में केवल दो मैच होंगे, जबकि तीन मैचों की छह सीरीज होंगी। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत सभी एक-दूसरे के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगे।

चिंता और अवसाद युवतियों को दे रहा अपच की समस्या, उम्र बढ़ने के साथ कम होती जाती है समस्या

नयी दिल्ली। चिंता और अवसाद से युवतियों में अपच की समस्या हो रही है। 26 देश के 54,127 व्यक्तियों पर हुए संजय गांधी पीजीआई के साझा अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला। इंटरनेशन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक उम्र बढ़ने के साथ समस्या कम होती जाती है।युवतियों में बढ़ रही चिंता, अवसाद उन्हें अपच की समस्या दे रहा है। अपच की समस्या युवकों में भी है, लेकिन उनकी संख्या युवतियों के मुकाबले कम है। संजय गांधी पीजीआई के साझा अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला है। 26 देश के 54,127 व्यक्तियों पर हुए इस अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय जर्नल- एलिमेंटरी फार्माकोलॉजी एंड थेराप्यूटिक्स, में स्थान मिला है।संजय गांधी पीजीआई से डॉ. यूसी घोषाल इस अध्ययन में शामिल रहे। अध्ययन के दौरान सभी को इंटरनेट के माध्यम से प्रश्नावली दी गई। एशिया के साथ ही यूरोप और अमेरिका में भी यह ऑनलाइन सर्वे किया गया। सर्वे में शामिल कुल व्यक्तियों में से 40 फीसदी 18 से 39 वर्ष, 40 फीसदी 40 से 64 वर्ष और 20 फीसदी 65 साल से ज्यादा उम्र वाले थे। इसमें रोम-4 कार्यात्मक अपच के आधार पर स्थिति का आकलन किया गया। रोम-4 में कार्यात्मक अपच के लिए मापदंड दिए गए हैं। इसमें मुख्य रूप से चार लक्षण- भोजन के बाद पेट में भारीपन, थोड़ा खाते ही पेट भर जाना, पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द और पेट के ऊपरी हिस्से में जलन के लक्षण शामिल होते हैं। ये समस्याएं सामान्य गतिविधियों में बाधा डाल रहीं हों और पिछले तीन महीनों में प्रति सप्ताह कम से कम तीन दिन समस्या रही हो। रोम-4 के आधार पर 18 से 34 साल की उम्र की 10.8 फीसदी युवतियों में कार्यात्मक अपच की समस्या मिली। जबकि इसी उम्र के पुरुषों में यह समस्या आठ फीसदी में ही थी। इसके बाद दोनों में ही उम्र बढ़ने के साथ अपच की समस्या कम होती गई।अध्ययन के दौरान कार्यात्मक अपच का चिंता और अवसाद के साथ सीधा संबंध देखा गया। इसमें देखा गया कि कार्यात्मक अपच वाली 30.4 फीसदी आबादी में चिंता और 30.2 फीसदी में अवसाद की समस्या थी। वहीं सामान्य आबादी में चिंता का प्रतिशत 10.2 फीसदी और अवसाद का 9.9 फीसदी ही था। इससे निष्कर्ष निकलता है कि अपच के पीछे चिंता और अवसाद बड़ी वजह हैं।कार्यात्मक अपच बिना किसी विशेष कारण पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द या जलन, भोजन के बाद पेट बहुत भरा हुआ और थोड़ा खाने पर ही भूख मिट जाने जैसी समस्याएं होती हैं। इसके साथ ही मतली, सूजन, डकार और उल्टी के लक्षण भी होते हैं। विशेषता यह होती है कि ये लक्षण शारीरिक समस्या से ज्यादा मानसिक रहते हैं।

दो बार स्तन कैंसर का शिकार हुई हैं अभिनेत्री अरुणा ईरानी, क्यों फिर से लौट आता है कैंसर? जानिए

नयी दिल्ली। हाल ही में एक इंटरव्यू में मशहूर अभिनेत्री अरुणा ईरानी ने खुलासा किया है कि उन्हें एक नहीं बल्कि दो-दो बार ब्रेस्ट कैंसर हो चुका है। इस खबर के सामने आने के बाद से लोगों के मन में एक सवाल बना हुआ है कि ब्रेस्ट कैंसर बार-बार क्यों होता है? मशहूर अभिनेत्री अरुणा ईरानी ने अपने अभिनय के दम पर फिल्मी दुनिया में खूब नाम कमाया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया है कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर था, ये एक नहीं बल्कि दो-दो बार हो चुका है। 79 वर्षीय अभिनेत्री ने बताया कि दोनों बार लोगों की नजरों से दूर, चुपचाप उन्होंने अपनी लड़ाई लड़ने का विकल्प चुना। कैंसर से अपनी लड़ाई के बारे में उन्होंने 'लहरें रेट्रो' से बातचीत में कहा, 'ऐसे ही एक दिन शूटिंग कर रही थी, पता नहीं मुझे कुछ अजीब सा लगा। फिर एक डॉक्टर से सलाह ली, जिन्होंने शुरू में इसे एक छोटी सी गांठ बता दिया। लेकिन मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहती थी, इसलिए मैंने इसे तुरंत हटाने पर जोर दिया। जांच में कैंसर का पता चला, जिसे लेकर डॉक्टरों ने कीमोथेरेपी का सुझाव दिया, लेकिन इससे मुझे बाल खोने और अपनी त्वचा की बनावट में बदलाव का डर था, इसलिए मैंने मना कर दिया। इसके बाद इलाज चला। मार्च 2020 में कोविड से ठीक कैंसर फिर से उभर आया। अभिनेत्री ने कहा, 'मेरी ही गलती थी, क्योंकि पहले मैंने कीमोथेरेपी नहीं ली थी। इस बार मैंने कीमो लेने का फैसला ले ही लिया। चिकित्सा विज्ञान अब काफी उन्नत है फिर भी आपके बाल थोड़े झड़ते हैं लेकिन वो जल्दी आ भी जाते हैं। एक अन्य मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, एक बार मुझे और अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। डॉक्टरों नेबताया कि उनकी दोनों किडनी फेल हो गई हैं। हालांकि इन सभी समस्याओं से अब वह ठीक हैं।इस खबर के सामने आने के बाद से लोगों के मन में एक सवाल बना हुआ है कि ब्रेस्ट कैंसर क्या बार-बार होता है? जवाब है-हां ब्रेस्ट कैंसर के मामले दोबारा से हो सकते हैं। इसे रिकरंट ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। प्रारंभिक उपचार के बाद भी कई लोगों में फिर से कैंसर उभर जाता है। वैसे तो पहली बार कैंसर का पता चलने के बाद प्रारंभिक उपचार का उद्देश्य सभी कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करना होता है, लेकिन कई मामलों में कैंसर कोशिकाएं उपचार से बच जाती हैं और फिर से कैंसर को बढ़ावा दे सकती हैं। प्रारंभिक उपचार के कुछ महीनों या वर्षों बाद फिर से कैंसर हो सकता है।डॉक्टर बताते हैं, दोबारा कैंसर, पहले वाले हिस्से में फिर से हो सकता है। दोबारा कैंसर की स्थिति में आपको पहले की ही तरह से स्तन में एक नई गांठ या कठोरता का अनुभव हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यही कारण है कि कैंसर के उपचार के बाद भी रोगी को बार-बार डॉक्टर से मिलते रहने, जांच कराने और लक्षणों पर ध्यान देते रहने की सलाह दी जाती है। इलाज के बाद भी अगर आपके स्तन की त्वचा में परिवर्तन, सूजन या लालिमा या फिर निप्पल से स्राव हो रहा हो तो इसकी जांच जरूर कराएं। कुछ स्थितियों में दोबारा से स्तन कैंसर का खतरा अधिक रहता है। अगर कैंसर आस-पास के लिम्फ नोड्स में फैल चुका है तो कैंसर के वापस आने का जोखिम बढ़ जाता है। ट्यूमर का बड़ा आकार अगर बड़ा है तो ऐसे लोगों में बार-बार स्तन कैंसर होने का जोखिम अधिक होता है।टीम ने भारतीय महिलाओं में बढ़ते इस गंभीर कैंसर के जोखिमों को लेकर अलर्ट किया था।टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई और वाराणसी के शोधकर्ताओं ने बताया कि भारत में महिलाएं कैंसर का जांच ही नहीं करा रही हैं, जिसके कारण बीमारी पकड़ में नहीं आती है। देश में 45 साल से ज्यादा उम्र की केवल 1प्रतिशत महिलाएं ही ब्रेस्ट कैंसर जांच (मैमोग्राफी) कराती हैं, जोकि बहुत चिंताजनक है।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्रारंभिक स्तर पर स्तन कैंसर की पहचान और उपचार से इसके पूर्ण रूप से ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है। भले ही आप स्वस्थ हैं फिर भी स्तन की निरंतर जांच जरूर करते रहें। 20 से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को नियमित रूप से अपने स्तनों की खुद से जांच करते रहना चाहिए। अगर आपके स्तन के आकार में कोई बदलाव नजर आता है या फिर छूने पर किसी तरह की गांठ महसूस होती है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। अधिकांश महिलाओं में स्तन कैंसर के मामले में शुरुआत में इन दोनों लक्षणों का अनुभव होता है। स्तनों में दर्द रहना या निप्पल से किसी प्रकार का डिस्चार्ज होते रहना भी अलार्मिंग है, जिसको लेकर सभी लोगों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को प्रोमोट करने में फंसे युवराज सिंह, हरभजन सिंह...ईडी ने शुरू की जांच

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच तेज कर दी है। इस जांच में कई बड़े नाम सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेटर हरभजन सिंह, सुरेश रैना और युवराज सिंह के साथ-साथ अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और सोनू सूद से भी पूछताछ की जा रही है। यह जांच 1एक्स बेट जैसे प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़ी है। ईडी का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म भ्रामक विज्ञापन और गलत तरीकों से लोगों को फंसा रहे हैं।ईडी की जांच में पता चला है कि ये प्लेटफॉर्म 1एक्स बेट जैसे नामों का इस्तेमाल कर विज्ञापन करते हैं। ये वेब लिंक और क्यूआर कोड के जरिए यूजर्स को असली अवैध सट्टेबाजी साइटों पर भेजते हैं। ईडी के अनुसार, यह भारतीय कानूनों का सीधा उल्लंघन है। ईडी का कहना है कि ये ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म खुद को स्किल-आधारित गेम बताते हैं। लेकिन, एजेंसी का मानना है कि ये रिग्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, ये जुआ के दायरे में आते हैं। ईडी का कहना है कि 1एक्स बेट जैसे प्लेटफॉर्म सेलिब्रिटीज के साथ मिलकर बड़ी संख्या में लोगों को धोखा दे रहे हैं। ईडी की शुरुआती जांच में कई कानूनों के उल्लंघन की बात सामने आई है। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम और धन शोधन निवारण अधिनियम शामिल हैं। साथ ही, कई सरकारी नियमों का भी उल्लंघन हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, हरभजन सिंह और सुरेश रैना के प्रतिनिधियों ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उर्वशी रौतेला और सोनू सूद के प्रतिनिधियों ने भी कोई जवाब नहीं दिया है। जांच में यह भी पता चला है कि इन विज्ञापन अभियानों को चलाने के लिए विभिन्न कंपनियों को 50 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है।एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध सट्टेबाजी ऐप का कारोबार 100 अरब डॉलर से अधिक का है। अधिकारियों द्वारा कार्रवाई के बावजूद, यह कारोबार फलफूल रहा है। इन वेबसाइटों पर लगभग 11 करोड़ भारतीय आते हैं, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल हैं। जांच अभी जारी है और ईडी इस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है। यह देखना होगा कि इस जांच में और क्या खुलासे होते हैं और किन-किन लोगों पर कार्रवाई होती है। सरकार इन अवैध सट्टेबाजी ऐप्स पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठा रही है। लेकिन, यह कारोबार अभी भी तेजी से बढ़ रहा है।

इंडिया बनाम इंग्लैंडः इंग्लैंड में सबसे सफल भारतीय कप्तान कौन,सर्वश्रेष्ठ पारी किसने खेली और सर्वाधिक छक्के किसने लगाए?

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून से होने जा रही है। पहला मुकाबला लीड्स में खेला जाएगा। नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम इंडिया में एक नई शुरुआत करेगी। हालांकि, एक युवा टीम इंडिया के लिए यह चुनौती आसान नहीं रहने वाली है क्योंकि इंग्लैंड की टीम बदलाव के दौर से गुजर चुकी है और उनकी जमीन पर उन्हें हराना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर 2007 के बाद से कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है।2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से जीत हासिल की थी। इसके बाद भारतीय टीम वहां 2011, 2014, 2018 और 2021 में भी दौरे पर गई, लेकिन सीरीज नहीं जीत सकी। अब गिल एंड कंपनी पर 18 साल के सूखे को खत्म करने की जिम्मेदारी होगी। इसी कड़ी में हम आपको इंग्लैंड में भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तान के बारे में बता रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट में (कम से कम 1500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में) सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने का रिकॉर्ड किसी अंग्रेज के नाम नहीं, बल्कि भारत के 'दीवार' के नाम है। राहुल द्रविड़ ने भारत-इंग्लैंड टेस्ट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाए हैं। उनका औसत 60.93 का है। वहीं, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर केविन पीटरसन हैं। उनका औसत 58.55 का है। इसके बाद 58.08 के औसत के साथ जो रूट, 55.64 के औसत के साथ ग्राहम गूच और 51.73 के औसत के साथ सचिन तेंदुलकर का नंबर आता है। भारत-इंग्लैंड टेस्ट में शीर्ष पांच औसत वाले बल्लेबाजों में रूट ही एकमात्र एक्टिव खिलाड़ी हैं।वहीं, भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की बात करें तो यशस्वी जायसवाल इसमें शीर्ष पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केवल नौ पारियों में 26 छक्के जड़ दिए हैं। इतना ही नहीं, यशस्वी इंग्लिश टीम के खिलाफ दो दोहरे शतक भी लगा चुके हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर महान इयान बॉथम हैं। बॉथम ने भारत के खिलाफ 24 छक्के लगाए हैं। 21-21 छक्कों के साथ ऋषभ पंत और कपिल देव संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, बात करें भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने वाले बल्लेबाजों के बारे में तो इस लिस्ट में महान ग्राहम गूच शीर्ष स्थान पर हैं। हालांकि, करुण नायर भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उनके अलावा किसी भारतीय ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में अब तक तिहरा शतक नहीं लगा पाया है। करुण ने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टेस्ट डेब्यू किया था। इसी सीरीज में उन्होंने अपनी तीसरी पारी में नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट में यह ग्राहम गूच के 333 रन के बाद दूसरी सर्वश्रेष्ठ पारी है। एलिस्टेयर कुक की 294 रन की पारी तीसरे, ज्यॉफ्री बॉयकॉट की नाबाद 246 रन की पारी चौथे, इयान बेल की 235 रन की पारी पांचवें और विराट कोहली की 235 रन की पारी छठे स्थान पर है। इंग्लैंड की धरती पर किसी भारतीय का टेस्ट में हाईएस्ट स्कोर 221 रन का है, जो गावस्कर ने बनाए थे। द्रविड़ 217 रन की पारी के साथ दूसरे और सचिन तेंदुलकर 193 रन के साथ तीसरे स्थान पर है।भारत ने भले ही 2007 के बाद इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज न जीती हो, लेकिन उस देश में सबसे सफल भारतीय कप्तान के मामले में विराट कोहली शीर्ष पर हैं। कोहली की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड में नौ टेस्ट खेले और इसमें से तीन में जीत हासिल की। पांच टेस्ट में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा। वहीं, कोहली के बाद कपिल देव और राहुल द्रविड़ का नंबर आता है। कपिल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड में तीन में से दो टेस्ट जीते और एक टेस्ट ड्रॉ रहा।

वनडे से रिटायरमेंट लेंगी सोफी डिवाइन, वर्ल्ड कप के बाद कभी न्यूजीलैंड के लिए नहीं खेलेंगी 50 ओवर फॉर्मेट

नयी दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने वनडे फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया है। सोफी इस साल महिला क्रिकेट विश्व कप के समापन के बाद वनडे फॉर्मेट को अलविदा कहेंगी। यह विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सोफी डिवाइन की ओर से एक बयान साझा किया है, जिसमें उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे लिए कदम पीछे खींचने का सही समय आ गया है। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं कि मुझे इसमें एनजेडसी का समर्थन मिला है। यह जरूरी है कि हर कोई जानता हो कि मैं इस टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए समर्पित हूं। मैं इस युवा ग्रुप की प्रगति से बहुत उत्साहित हूं। इसके साथ ही मैं अगले छह से नौ महीनों में अपनी भूमिका निभाने के लिए भी उत्सुक हूं।'एनजेडसी की महिला हाई परफॉरमेंस हेड लिज ग्रीन के अनुसार सोफी डिवाइन को न्यूजीलैंड क्रिकेट का पूरा सपोर्ट है। उन्होंने कहा, 'सोफी ने व्हाइट फर्न्स को लगभग 20 साल सेवा दी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट उनके करियर के इस पड़ाव पर अधिक संतुलन तलाशने की उनकी खोज को पूरी तरह से सपोर्ट करता है।' हालांकि, सोफी डिवाइन ने यह स्पष्ट किया है कि वह टी20 फॉर्मेट खेलती रहेंगी। सोफी का यह फैसला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के ऐलान से चंद घंटों पहले आया है।सोफी डिवाइन ने साल 2006 में डेब्यू किया था। उस वक्त वह महज 17 साल की थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में न्यूजीलैंड की अगुवाई करेंगी। सोफी ने अपने वनडे करियर में 152 मैच खेले, जिसकी 139 पारियों में 31.66 की औसत के साथ 3,990 रन बनाए।

अच्छी सैलरी के लिए मोलभाव करने के कुछ तरीके पता होने चाहिए

इस रविवार को लखनऊ में आयोजित एक भव्य समारोह में 12,048 महिलाओं समेत 60,244 लोगों को पुलिसकर्मी के रूप में नियुक्ति पत्र मिल गए। इसके साथ देश के किसी भी राज्य की सबसे बड़ी एकल भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न हुई। मुझे यकीन है कि नियुक्ति पाने वालों में दो तरह की भावनाएं होंगी।पहली, 48 लाख अभ्यर्थियों में वे सबसे भाग्यशाली हैं और दूसरी, निश्चित ही थकान क्योंकि फरवरी, 2024 में लिखित परीक्षा रद्द हुई, जो दोबारा अगस्त, 2024 में हुई और अब जून 2025 में जाकर नियुक्ति मिल रही है।हालांकि उनका तय वेतन है, जिसके साथ अन्य सरकारी लाभ भी हैं। पर निजी क्षेत्र में नौकरी खोज रहे कई लोग आजकल ऑफर को लेकर वैसा मोलभाव नहीं कर रहे, जैसा मेरे एक शिष्य ने किया।'जिपरिक्रूटर' के पिछले तिमाही के सर्वे के अनुसार नई नौकरी पाने वालों में से 31फीसदी ने ही ऑफर पर मोलभाव किया, जो उससे पिछली तिमाही की तुलना में 18फीसदी कम था। अमेरिका का ये जॉब सर्च पोर्टल अपनी विभिन्न सुविधाओं के जरिए किसी व्यक्ति-व्यवसाय, दोनों के लिए नौकरी ढूंढने की प्रक्रिया आसान बनाता है।अधिकतर निजी कंपनियां अपने ऑफर्स को 'बेस्ट एंड फाइनल' बताती हैं। मेरे उस स्टूडेंट को फरवरी में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी से ऑफर मिला। उसकी पीजी की शुरुआत से, बीते तीन वर्षों से मैं उसे गाइड कर रहा था। कंपनी ने उसे ऑफर लेटर दिया और कहा, 'हमारी पेशकश सटीक है'। वह वॉशरूम का बहाना कर वहां से हटा और मुझे कॉल किया। उसने कहा, 'सर, आपको इसका क्या मतलब लगता है'। मैंने कहा, इसका अर्थ है कि कंपनी वेतन पर कोई मोलभाव नहीं करती और उनका ऑफर अधिकतर प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अधिक है, ताकि वो तुम्हारे समेत अन्य सभी के साथ पारदर्शी रहें।' उसने पूछा कि अब क्या करें? ऑफर मानकर साइन करने चाहिए? मैंने कहा, 'जिन बिजनेस के पास योग्य उम्मीदवार होते हैं, वे एक कीमत तय कर सकते हैं और उस पर अड़े रह सकते हैं। पर बातचीत में एचआर की बेचैनी बाहर आ जाती है। क्या तुम सटीक तरीके से बता सकते हो कि एचआर हैड से क्या बात हुई।' उसने एक मिनट तक पूरी बात दोहराई और मैंने कहा 'उन्हें विनम्रता से कहो, आपके ऑफर के लिए धन्यवाद। पर मुझे बेहतर ऑफर की आशा थी। इसके बाद रुक जाना। उसके बोलने का इंतजार करना।'फिर मैंने उसे बताया कि यहां से बातचीत कैसे आगे बढ़ानी है। उसने वैसा ही किया। एचआर हैड ने कहा 'तो अब आपका फैसला क्या है?' मेरे शिष्य ने विनम्रता से कहा 'आपके ऑफर के लिए धन्यवाद। पर मुझे मेरे परामर्शदाता से बात करने दें और मैं एक हफ्ते में जवाब दूंगा।' इसने उन्हें असहज कर दिया। उसने वेतन से अलग प्रोडक्टिविटी बोनस का ऑफर दिया। मेरे शिष्य ने कहा, 'यदि मैं कड़ी मेहनत करूंगा तो हर प्रकार से उसका अधिकारी तो हूं, मुझे पता है कि उसे तो मैं हासिल कर लूंगा।' इसके बाद दोनों ने हाथ मिलाया और एचआर हैड ने कहा, वह शाम तक जवाब देगा। और शाम को जो ऑफर आया वो अपेक्षाओं के करीब था, हालांकि बिल्कुल वैसा नहीं, जैसा हमने सोचा था। याद रखें, कंपनियां किसी भी तरह के निगोशिएशन को शुरू होने से पहले ही खत्म करना चाहती हैं। पर वे यह भी जानती हैं कि जब प्रतिभा बेहतर हो तो वे अपने उस पुराने डायलॉग पर टिकी नहीं रह सकती कि 'स्वीकार करो या फिर छोड़ दो।' जो ऑफर बिल्कुल नॉन निगोशिएबल लग रहे हों, वहां भी बातचीत की गुंजाइश हो सकती है। समझदार कर्मचारी, जो अपना वेतन नहीं बढ़वा पाते, वो दूसरी रियायतें पा ही लेते हैं जैसे साइनिंग बोनस, हर हफ्ते वर्क फ्रॉम होम के दिन, और कहीं-कहीं बड़ा पदनाम। पर याद रहे कि अंतिम वाला कई जगहों पर सिर्फ दिखावटी होता है। मेरे एक दोस्त ने उसका साक्षात्कार कर रहे एचआर निदेशक को ये सुझाव देकर कि उनके पद का नाम 'डायरेक्टर ऑफ पीपल एंड कल्चर' होना चाहिए, एक बहुत अच्छा ऑफर हासिल कर लिया। फंडा यह है कि जब कंपनियों का पलड़ा भारी हो तो मोलभाव के कई तरीके हैं। वास्तव में आप जो चाहते हैं, उसमें स्पष्टता रखें और फिर देखें कि आप कैसे बातचीत करते चले जाते हैं।

पिता होने के एहसास के साथ ही जीवन स्वयं को सुंदरता से उद्घाटित करता है

पैरेंटल लीव के दो सप्ताह बाद मैं काम पर लौटा था। 1990 के दशक की उस शुरुआत में मैंने खुद को रजत शर्मा और फातिमा जकारिया के साथ मीटिंग्स के दौरान एक अनजानी स्थिति में पाया। जब भी दफ्तर में फोन बजता, मुझे लगता जैसे वह मेरे लिए है। 'क्या बच्ची सो गई?' या 'क्या वह ठीक है?' या इसी तरह के विचार मेरे मन में उस नन्ही खुशी के बारे में आने लगते, जो उस समय हमारे घर आई थी। मैं संपादकीय बैठकों में इस हद तक अनमना हो जाता था कि शर्मा और जकारिया मुझसे पूछते 'क्या तुम ठीक हो? क्या घर पर सब दुरुस्त है?' पिता बनना उस समय मेरे अस्तित्व की सबसे सुखद घटना थी। मैं एक साथ बहुत सारी नई चीजों के बारे में जान रहा था- धैर्य, दुर्बलता, दृढ़ता, जब बच्चा कपड़े, चादरें आदि गंदा कर देता है तो मुंह न बनाना आदि। मेरे भीतर धीरे-धीरे एक जीवन देने वाली उदारता बढ़ रही थी। मुझे महसूस हुआ जैसे मैं बेटी को उसके जन्म से पहले से जानता था, जब मैं उसकी मां के साथ विभिन्न अपॉइंटमेंट्स में गया था और अल्ट्रासाउंड्स देखे थे, जिनमें मैंने गर्भस्थ शिशु से भौतिक दूरी के बावजूद उसके करीब रहने के तरीके खोज निकाले थे। लगभग हर रोज ही मैं उसे छाती से लगाए घूमता था, और जैसे-जैसे हमारा रिश्ता आगे बढ़ा, मौसम बदलते रहे- पहले गर्मी से बरसात और फिर धीरे-धीरे मध्य गर्मी से सर्दी तक। मेरी पत्नी और मेरा पूरा जीवन उसके इर्द-गिर्द ही घूमता था। रोजमर्रा की गतिविधियां सबसे ज्यादा मायने रखती थीं। बच्ची का स्पर्श, देर रात तक उसे भोजन देना, उसकी हर छोटी से छोटी आवाज के मायने निकालना और इससे पहले कि वह हमें थोड़ी देर सोने की मोहलत देती, धैर्यपूर्वक उसकी सफाई करना। इस गहन संबंध ने मुझे सिखाया कि बेटी और पिता के बीच का बंधन अपनी अटूट उपस्थिति के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ रहा था। एक आदर्श पिता बनने का दबाव मेरी अति-सतर्कता में प्रकट हुआ। हर घटना ने एक नई परवाह को जन्म दिया। मैंने न केवल उसे हर तालिका और दिशा-निर्देशों के अनुसार मापा, बल्कि मुझे यह भी पता था कि उसने कितने शब्द बोले! मैं उसके बारे में डेटा एकत्र करने को लेकर आविष्ट हो चुका था। और मैं एक पिता के रूप में अपनी क्षमताओं पर प्रसन्न था। समय के साथ मैंने खुद को अधिक छूट दी और उत्कृष्टता के बाहरी मानक के बजाय उसकी स्वयं की शर्तों पर उसकी प्रगति को सराहने लगा। मैं कभी भी 'अपनी योग्यता साबित करो' वाली पैरेंटिंग मानसिकता के जाल में नहीं फंसा। मुझे लगा प्रामाणिक पैरेंटिंग का मतलब परफेक्शन नहीं, अपनी कमजोरियों के साथ जीना सीखना है। किसी भी पिता की तरह मुझे भी एहसास हुआ कि पैरेंट?हुड के लिए कोई नियमावली नहीं है। उस बड़ी जिम्मेदारी के साथ एक नुकसान भी आता है- अपने पूर्व के अस्तित्व और जीवन की सहज स्वतंत्रता की क्षति। जब भी मैं किसी उपन्यास के पन्नों में खोना शुरू करता, एक चीख, या खिलखिलाहट मेरा ध्यान भटका देती और मैं फिर से उस बिस्तर की ओर खिंचा चला जाता, जहां मेरी नन्ही खुशी सो रही होती थी। दोस्तों के साथ योजना बनाना अब पहले की तरह स्वतःस्फूर्त नहीं रह गया था। बेफिक्री से भरे दिन थोड़े समय के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए पीछे छूट गए थे। इसकी मायूसी तो थी, लेकिन पछतावा नहीं था, क्योंकि उस नन्ही परी की मुस्कान हर नुकसान की सौ गुना भरपाई कर देती थी। एक बेफिक्र ग्रेजुएट छात्र से लेकर एक पोस्ट ग्रेजुएट आशावादी पति बनने तक, मैंने पितृत्व में अपनी पीएचडी हासिल कर ली और अपने लिए एक नया नाम पाया, जिसे अमूमन 'पापा' के नाम से जाना जाता है। एक मनुष्य के रूप में हमारे दूसरे विकासों के विपरीत, माता-पिता बनना अचानक तीव्रता के साथ होता है। केवल देशकाल के परिप्रेक्ष्य के साथ ही मैं जीवन के रियर-व्यू मिरर में इस वास्तविकता को और अधिक स्पष्ट रूप से देख पाया हूं। और मैंने इस नए संतुलन के साथ तालमेल बिठाना शुरू कर दिया कि परिवार के साथ हमारा संबंध सबसे अधिक तब गहरा होता है, जब उसे नई जिम्मेदारियों की चुनौती दी जाती है और वे जिम्मेदारियां हमें खुद को फिर से परिभाषित करने के लिए मजबूर करती हैं। फंडा यह है कि जीवन वास्तव में तब हमारे सामने स्वयं को उद्घाटित करता है जब हम माता-पिता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को सीखने की प्रक्रिया में होते हैं।

अपनों के साथ वक्त बिताने का मन हो, तो इसे कभी न टालें

कैप्टन सुमित सभरवाल ने वादा किया था कि अपने व्यस्त समय में कुछ समय निकालकर अपने 82 साल के पिता के साथ गुजारेंगे। इसके बाद उन्होंने घरवालों को फोन किया और कहा कि वो लंदन पहुंचकर फोन करेंगे। कैप्टन सभरवाल वहीं रहते थे, जहां मैं पिछले तीन दशकों से रह रहा हूं, ये मुंबई का पवई इलाका है। मेरा भाई, जो खुद एयर इंडिया में कैप्टन है, वो भी उसी कॉलोनी में रहता है। एयरबस ए310, बोइंग 777, बी787 उड़ाने वाले कैप्टन सभरवाल शांत स्वभाव के और काम के प्रति समर्पित व्यक्ति माने जाते थे। मेरा यकीन है, उनकी ही तरह क्रू के बाकी 11 सदस्यों और सभी यात्रियों ने भी अपने-अपने घरवालों को फोन करके वहीं चीजें कही होंगी। लेकिन इन लोगों के वादे अब कभी पूरे नही हो सकेंगे क्योंकि उन्हें लंदन ले जा रहा विमान एआई171 अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेकऑफ करने के 32 सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इससे मुझे जीवन के कुछ ऐसे पड़ावों की याद आ गई, जिनमें मैंने अपने परिचित लोगों को खो दिया था। 1980 के शुरुआती दौर में फार्मास्युटिकल कंपनी रॉश प्रोडक्ट्स लिमिटेड में काम करते हुए कुलकर्णी नाम के मेरे एक वरिष्ठ सहकर्मी थे। वे पैकेजिंग विभाग में सुपरवाइजर थे। हम दोनों मुंबई के पास उपनगर डोम्बिवली में रहते थे और हफ्ते में अधिकांश बार साथ यात्रा करते थे। साथ में काम करने के बावजूद, हमारे परिवार कभी एक-दूसरे से नहीं मिले। असल में हमने दोनों परिवारों के लिए उस महीने के आखिर में एक सरप्राइज डिनर की योजना बनाई थी, पर हमें अहसास ही नहीं था कि नसीब ने कुछ और ही सोच रखा है। उसी महीने की बात है, एक दिन कुलकर्णी ने कहा कि उन्हें कुछ जरूरी काम निपटाने हैं, इसलिए वह बाद में जाएंगे और इस कारण मैं ऑफिस से समय पर निकल गया। उसी रात कोई मेरे घर पर आया और बताया कि कुलकर्णी दफ्तर के बाहर बस स्टॉप पर खड़े हुए थे, ताकि लोकल ट्रेन पकड़ने के लिए नजदीकी रेल्वे स्टेशन तक पहुंच सकें। उन्होंने देखा कि बस दूर से आ रही है और वह इसके लिए तैयार हो गए और ठीक वहीं खड़े होकर इंतजार करने लगे, जहां बस का फुटबोर्ड आकर खड़ा रहता है। लेकिन तभी ब्रेक फेल होने के कारण बस ने अपना नियंत्रण खो दिया और बस स्टैंड को टक्कर मार दी, जिसमें कुलकर्णी की जान चली गई। उनकी मौत रॉश प्रोडक्ट लिमिटेड के ठीक उसी एंट्री गेट पर हुई, जिस कंपनी में उन्होंने लगभग एक दशक काम किया था। कुछ ऐसी ही कहानी केएन राघवेंद्र की है, जो कई अखबारों में वरिष्ठ संपादकीय पदों पर रहे और हमने 30 साल से ज्यादा समय तक साथ काम किया। हमने मुंबई में डीएनए समेत कई अखबारों में साथ काम किया। लेकिन उनकी मौत पूरी तरह से अप्रत्याशित थी। उनकी जिंदगी के आखिरी पलों से ठीक दो दिन पहले हम साथ में नाशिक की रोड ट्रिप पर गए। नाशिक में हम दोनों ने अपने अलग-अलग आशियाने बना रखे थे और हमेशा से चाहते थे कि रिटायर्ड लाइफ मिलकर यहीं बिताएं। हम मुंबई से चले, नाशिक में दो दिन रुके और लौटने से पहले बुढ़ापे की योजना बनाई। दो दिन बाद अचानक मुझे खबर मिली कि राघवेंद्र नहीं रहे। उन्हें दरअसल बेचैनी हो रही थी और पत्नी उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाने में मदद के लिए पड़ोसी को बुलाने गई थीं, इस बीच राघवेंद्र पत्नी को आवाज लगाने के लिए बिस्तर से उठे और दरवाजे तक पहुंचने से पहले ही अचेत होकर गिर पड़े। तब से मैंने एक आदत बना ली है। अगर मुझे लगता है कि मुझे किसी से मिलना है, तो मैं अपना बैग पैक करता हूं, टिकट लेता हूं और मिलने के लिए निकल पड़ता हूं। अगर वे मेरे ही शहर में होते हैं, तो मैं ड्राइव करके उनसे मिलने पहुंच जाता हूं। इससे मुझे अंदर से बहुत शांति मिलती है। फंडा यह है कि ऐसे ही पलों में हमें पता चलता है कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं। ईश्वर ने कितने दिन का जीवन लिखा है, इस पर हमारा कोई वश नहीं, पर उन दिनों को हमने कितनी खूबसूरती से जिया, इस पर तो हमारा नियंत्रण हो ही सकता है। अपने प्रियजनों के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताकर, खूब सारा प्रेम लुटाकर, एक उद्देश्य के साथ जीवन जिएं।

हम बच्चों की पढ़ाई में अंग्रेजी की उपेक्षा नहीं कर सकते हैं

नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (नेशनल करिकुलम फ्रैमवर्क या एनसीएफ) में क्षेत्रीय भाषाओं में बु?नियादी शिक्षा देने पर जोर दिए जाने का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन जिस वैश्वीकृत दुनिया में हम आज रह रहे हैं, उसकी जरूरतों को देखते हुए अंग्रेजी में शिक्षा प्रदान करने पर भी पर्याप्त ध्यान देना जरूरी है। भले ही हम अंग्रेजी को बाहरी भाषा बताकर उसकी आलोचना करते हों, लेकिन हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में यह बेहद जरूरी होती जा रही है। सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायिक प्रगति में अंग्रेजी की महत्ता देखते हुए अब इसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। भारतीय युवा इस भाषा को न केवल रोजगार, बल्कि व्यावसायिक और सामाजिक तौर पर भी महत्वपूर्ण मानते हैं। एनसीएफ इस बात पर जोर देता है कि स्कूलों में साक्षरता की पहली भाषा (आर-1) आदर्श तौर पर विद्यार्थी की मातृभाषा या एक जानी-पहचानी क्षेत्रीय/राज्यभाषा होनी चाहिए, क्योंकि इससे विद्यार्थियों का भाषाई, सांस्कृतिक और बौद्धिक विकास होगा। वो बेहतर ढंग से पढ़ाई कर पाएंगे। यदि संसाधनों की कमी, कक्षाओं की विविधता और किसी बोली की मानक लिपि का अभाव होने जैसी अन्य व्यावहारिक समस्याएं आती हों तो आर-1 के तौर पर राज्यभाषा का उपयोग किया जा सकता है। विद्यार्थी जब तक किसी दूसरी भाषा में बुनियादी साक्षरता हासिल ना कर लें, उनके लिए निर्देशों का माध्यम आर-1 ही रहनी चाहिए। यानी जोर इस बात पर है कि विद्यार्थी दो भाषाओं (आर-1 और आर-2) को भली प्रकार से समझने लग जाएं। एनसीएफ के एकीकृत और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी स्कूलों को एक इम्प्लीमेंटेशन कमेटी बनानी है, जो विद्यार्थियों की मातृभाषा की मैपिंग, भाषा-संसाधनों और पाठ्यक्रम में फेरबदल के लिए जिम्मेदार होगी। गर्मी की छुट्टियां खत्म होने तक सभी स्कूलों को पाठ्यक्रम में फेरबदल का काम पूरा कर लेना है, ताकि निर्देशों की भाषा के तौर पर आर-1 का उपयोग और जरूरत पड़ने पर सही तरीके से आर-2 (मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा के अलावा दूसरी वैकल्पिक भाषा) का प्रयोग किया जा सके। जुलाई 2025 में फ्रेमवर्क का पालन शुरू होने से पहले शिक्षकों का प्रशिक्षण भी पूरा हो जाना चाहिए। स्कूल चाहें तो पाठ्यक्रमों में बदलाव, संसाधनों की खरीद आदि के लिए कुछ अतिरिक्त समय ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखना होगा कि बेवजह देरी ना हो और मासिक रिपोर्ट समय से भेजी जा सकें। इसमें संदेह नहीं कि एनसीएफ को बहुत सावधानीपूर्वक विकसित किया गया होगा, इसके बावजूद यह नौकरी की तलाश कर रहे भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। लोकनीति-सीएसडीएस की ओर से 2016 में 15 से 33 वर्ष के युवाओं पर किए गए एक सर्वे में 62 प्रतिशत युवाओं ने स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को महत्वपूर्ण माना, 23 प्रतिशत ने नहीं माना और 15 प्रतिशत ने कोई राय नहीं दी। 2021 के एक अन्य सर्वे में 38 प्रतिशत युवाओं ने माना कि नौकरी तलाशने में अंग्रेजी बोलने की क्षमता का महत्व है। 35 प्रतिशत ने इसे ?थोड़ा जरूरी माना, जबकि 18 प्रतिशत ने माना कि यह कतई महत्वपूर्ण नहीं है। अंग्रेजी को लेकर भारतीय युवाओं की सोच में अब भी शायद ही कोई बदलाव हुआ हो। हाल के एक सर्वे में भी 46 प्रतिशत युवाओं ने माना है कि नौकरी तलाशने में अंग्रेजी का ज्ञान बहुत जरूरी है। 31 प्रतिशत कहते हैं कि यह किसी हद तक जरूरी है। सिर्फ 11 प्रतिशत मानते हैं कि यह बिल्कुल महत्वपूर्ण नहीं और 5 प्रतिशत इस मत के बिल्कुल खिलाफ हैं। भारतीय युवा अंग्रेजी को ना सिर्फ जॉब-मार्केट के लिए बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास के लिए भी जरूरी मानते हैं। एक सर्वे के अनुसार 23 प्रतिशत युवाओं ने माना है कि वे अंग्रेजी ना बोल पाने को लेकर बहुत चिंतित रहते हैं। 25 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें इससे थोड़ी चिंता होती है। 32 प्रतिशत कहते हैं कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अंग्रेजी नहीं बोल पाते, जबकि 17 प्रतिशत ने बताया कि इस बात की चिंता तो होती है, लेकिन ज्यादा नहीं। इन सर्वेक्षणों में भारतीय युवाओं द्वारा जताई गई राय को देखें तो यह साफ है कि बड़ी संख्या में भारतीय युवा अंग्रेजी को अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण मानते हैं। यह सही है कि किसी के लिए भी हिंदी या उसकी कोई भी अन्य क्षेत्रीय मातृभाषा महत्वपूर्ण है, लेकिन सावधानी से विचार करना होगा कि क्या अंग्रेजी की अनदेखी की कीमत पर ऐसा होना चाहिए? इससे भी ज्यादा जरूरी है कि अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में एक संतुलन बनाया जाए। इसमें संदेह नहीं है कि किसी भी युवा छात्र के लिए हिंदी या उसकी क्षेत्रीय मातृभाषा अधिक महत्वपूर्ण होती है, लेकिन हमें सावधानी से इस पर विचार करना होगा कि क्या अंग्रेजी की अनदेखी की कीमत पर ऐसा होना चाहिए? (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

ड्रोन से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे लगातार बढ़ रहे हैं

दिसम्बर 1995 में पुरलिया में आसमान से हथियारों की खेप आने पर हड़कंप मच गया था। 30 साल बाद अब पाकिस्तान से सीमावर्ती राज्यों में ड्रोन से हथियारों और ड्रग्स आपूर्ति के मामले इतने बढ़ गए हैं कि मीडिया में रिपोर्टिंग ही नहीं होती। अंतरिक्ष से निर्बाध सैटेलाइट इंटरनेट, क्रिप्टो करंसी की आपराधिकता और ड्रोन की विस्फोटक फुलझड़ियों से युद्ध और आतंक की नए तरीके से वापसी हो सकती है। इसलिए ड्रोन के नियमन से जुड़े 4 पहलुओं को समझना जरूरी है। 1. रजिस्ट्रेशन : 2021 में बनाए गए शिथिल नियमों के बाद भारत में ड्रोन क्रांति शुरू हुई है। 250 ग्राम से कम वजन वाले नैनो ड्रोन को रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस के बगैर शौकिया तौर पर कोई भी उड़ा सकता है। ड्रोन को 100 रु. की फीस से रजिस्टर्ड कराया जा सकता है। इसके बावजूद मॉडल रिमोट पायलट एयरक्रॉफ्ट सिस्टम वाले 25 किलो से कम के ड्रोन- जिनका रिसर्च आदि में इस्तेमाल होता है- उनके रजिस्ट्रेशन की भी जरूरत नहीं है। गैर-रजिस्टर्ड ड्रोन को कोई भी उड़ा सकता है। बड़े ड्रोन उड़ाने के लिए सिर्फ 5 दिन की ट्रेनिंग के बाद पुलिस जांच के बगैर ड्रोन पायलट का लाइसेंस मिल सकता है। सीडीएस अनिल चौहान के अनुसार पानी की बोतल जैसे छोटे ड्रोन से भी बड़े स्तर पर तबाही मचाई जा सकती है। छोटे ड्रोन इतनी तेजी से उड़ते हैं कि प्रतिक्रिया देने के लिए सिर्फ 90 सेकंड का समय मिलता है। भारत में सभी तरह के ड्रोन के रजिस्ट्रेशन को जरूरी करने के साथ उड़ान के नियमन के लिए पुलिस को अधिकार मिलने चाहिए। 2. जुर्माना : नागरिकों की सुरक्षा के लिए लिफ्ट के रजिस्ट्रेशन और मेंटेनेंस के लिए कड़े नियम और जुर्माने के प्रावधान हैं। लेकिन देश की सुरक्षा से जुड़े ड्रोन के कारोबार को खुली छूट मिली है। ग्रेटर नोएडा में लगभग 80 हजार लिफ्ट में से सिर्फ 7702 ने 15 हजार रु. की फीस देकर रजिस्ट्रेशन कराया है। बकाया लिफ्ट के रजिस्ट्रेशन के लिए जिला प्रशासन ने 10 हजार रु. का जुर्माना देने का अभियान शुरू किया है। 2024 में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए 8 करोड़ से ज्यादा चालान किए गए। ड्रोन नियमों के उल्लंघन के लिए अधिकतम 1 लाख रु. के जुर्माने का ही प्रावधान हैं। आपराधिक कार्रवाई के लिए ड्रोन नियमों में कोई प्रावधान नहीं है। पिछले चार सालों में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान से आए 391 ड्रोन को जब्त किया है। ड्रोन से जुड़े नियमों को नागरिक उड्डयन मंत्रालय लागू करता है। वाहनों के रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े नियमों को पुलिस लागू करती है। उसी तर्ज पर ड्रोन से जुड़े मामलों में कार्रवाई के लिए राज्यों की पुलिस को स्पष्ट अधिकार मिलने चाहिए। 3. पाकिस्तान : सीमावर्ती राज्यों में पाकिस्तान ड्रोन के जरिए ड्रग्स और हथियार की नियमित आपूर्ति कर रहा है। ड्रोन नियमों के अनुसार भारत में अधिकांश इलाके ग्रीन जोन में आते हैं, जहां 400 फीट से कम ऊंचाई पर ड्रोन को लोग मनमाफिक तरीके से उड़ा सकते हैं। लेकिन ऐसे ड्रोन से लोगों की प्राइवेसी और सुरक्षा के खतरों से निपटने के लिए कोई प्रावधान नहीं हैं। यलो जोन में ड्रोन उड़ाने के लिए डीजीसीए से अनुमति लेनी पड़ती है। वहीं देश में 9969 रेड जोन हैं, जिनमें ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। पिछले दो सालों से सरकार के अनेक दावों के बावजूद पाकिस्तानी सीमा पर एंटी ड्रोन सिस्टम नहीं लगा। रूस पर यूक्रेन के हमले से साफ है कि एक लाख रु. से कम के ड्रोन से अरबों रुपयों के युद्धक विमानों को नष्ट किया जा सकता है। तस्करी, ड्रग्स और आतंकी हमलों के मद्देनजर सीमावर्ती राज्यों में सभी तरह के ड्रोन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की जरूरत अब आन पहुंची है। 4. स्टार्टअप : भारत में लगभग 550 स्टार्टअप ड्रोन क्षेत्र में काम कर रहे हैं, जिन्हें नियमों और टैक्स में छूट मिलती है। ड्रोन स्टार्टअप को सब्सिडी देने के लिए पीएलआई के तहत आवंटन को 18 गुना बढ़ाकर 3 हजार करोड़ रु. करने की योजना है। भारत की ड्रोन इंडस्ट्री से जुड़ी तकनीक और कलपुर्जों की आपूर्ति में चीन का वर्चस्व है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार चीनी उपकरणों से देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को खतरा है। नमो ड्रोन दीदी जैसी कल्याणकारी योजनाओं, आपदा प्रबंधन आदि के लिए सरकार को ड्रोन का इस्तेमाल करना चाहिए। लेकिन ड्रोन से जुड़े बढ़ते खतरों को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से स्टार्टअप और विदेशी कम्पनियों के लिए सख्त नियम बनने चाहिए। ड्रोन से जुड़े मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा के बजाय निजी स्टार्टअप के आर्थिक लाभ को वरीयता देने के दीर्घकालिक नुकसान हो सकते हैं। ड्रोन से जुड़े खतरों को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से स्टार्टअप और विदेशी कम्पनियों के लिए सख्त नियम बनने चाहिए। इसमें निजी स्टार्टअप के आर्थिक लाभ को वरीयता देने के दीर्घकालिक नुकसान हो सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

ईरान और इजराइल अब एक बड़े संघर्ष की ओर बढ़ रहे हैं

इजराइल ने ईरान पर जो दुःसाहसी प्रहार किया है, उससे मध्य-पूर्व में एक और युद्ध छिड़ सकता है। ऐसे में ट्रम्प के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि इस क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की रक्षा कैसे करें और इस मुसीबत से अमेरिका को जितना सम्भव हो उतना दूर कैसे रखें। नेतन्याहू ने अपने इस नए सैन्य-अभियान को यह कहकर उचित ठहराया है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। और यह सच है कि ईरान ने इतने पैमाने पर यूरेनियम को एनरिच कर लिया था कि उससे इजराइल के लिए चिंताजनक हालात निर्मित हो गए थे। यूरेनियम एनरिचमेंट एटम बम बनाने की प्रक्रिया है, जिसके तहत यूरेनियम में यूरेनियम-235 के कंसंट्रेशन को बढ़ाया जाता है। माना जा रहा था कि ईरान को कई एटम बम बनाने के लिए जरूरी सामग्री प्राप्त करने में बस कुछ ही सप्ताह बाकी थे, हालांकि बम बनाने और उन्हें डिलीवर करने के तरीके तक पहुंचने में अभी ईरान को बहुत समय लगता। लेकिन ईरान के बढ़ते खतरनाक मंसूबों का एक प्रमुख कारण ईरान के साथ अपने व्यवहार में नेतन्याहू और ट्रम्प द्वारा अतीत में की गई भारी गलतियां भी थीं। नेतन्याहू के मजबूत समर्थन के चलते ट्रम्प ने 2018 में ओबामा द्वारा किए परमाणु समझौते से खुद को अलग कर लिया था, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी हद तक नियंत्रित किया गया था। ट्रम्प को उम्मीद थी कि इसके बाद ईरान घुटनों पर चलकर उनके पास आएगा और रियायतों की मांग करेगा। लेकिन ईरान ने इसके उलट अपने यूरेनियम एनरिचमेंट में तेजी ला दी। एक पूर्व इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने 2018 की डील को रद्द करने के फैसले को एक हादसा बताया है, वहीं दूसरे ने कहा है कि यह एक ऐतिहासिक भूल थी। नेतन्याहू की आक्रामकता तब भी काम नहीं आई थी, और अब भी इसके कारगर होने की संभावना नहीं लगती। ईरान पर इजराइल की हालिया बमबारी का मकसद ईरान के साथ मूल परमाणु समझौते को कुछ हद तक बहाल करने के ट्रम्प के हालिया कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर करना भी हो सकता है। इस पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी कि इजराइल की ईरान पर इस बमबारी के क्या परिणाम होते हैं। लेकिन इस बात पर हमेशा से संदेह किया जाता रहा है कि क्या ईरान के परमाणु-कार्यक्रम स्थल को नष्ट किया जा सकता है? कम से कम अमेरिकी बंकर-बस्टर बमों के बिना तो यह मुमकिन नहीं है, क्योंकि वह जमीन के भीतर बहुत गहराई में स्थित है। यह स्पष्ट नहीं है कि इसे निशाना बनाया गया है या नहीं। इजराइल ने उन आवासों पर भी बमबारी की है, जहां परमाणु वैज्ञानिक रहते हैं, और यह कदम अधिक असरदार हो सकता है। सैन्य विशेषज्ञ वर्षों से कहते आ रहे हैं कि ईरान के लिए अपने सेंट्रीफ्यूज बदलना सरल है, लेकिन नए परमाणु वैज्ञानिकों को खोजना उसके लिए टेढ़ी खीर होगी। लेकिन नतीजे उलटे भी हो सकते हैं, क्योंकि इस तरह के हमले ईरान के परमाणु हथियारों के लिए अभियान को और तेज कर सकते हैं। इसके लिए ईरानी नेताओं द्वारा तर्क दिया जाएगा कि इससे पता चलता है उनके मुल्क को न्यूक्लियर डिटरेंट की कितनी आवश्यकता है। न्यूक्लियर डिटरेंट उस स्थिति को कहते हैं, जब किसी देश के परमाणु-हथियार सम्पन्न होने पर दूसरे देश उस पर हमला करने से बचते हैं। यहां इस बात को याद रखना जरूरी है और ईरान की मेरी रिपोर्टिंग-यात्राओं में भी यह सामने आया है कि ईरान के लोगों में उनकी हुकूमत बहुत अलोकप्रिय हो चुकी है। आम ईरानी श्रमिक, किसान आदि लगातार भ्रष्टाचार, पाखंड और आर्थिक कुप्रबंधन के बारे में शिकायत करते रहते हैं। इसके बावजूद विदेशी हमले की स्थिति में वे सभी ईरानी झंडे के नीचे एकजुट होंगे। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से)

रेलवे स्टेशन पर भीख मांगने वाले के बैग में मिले इतने पैसे, फटी रह गई आंखें...बैंक खाते की भी होगी जांच

मथुरा। मथुरा रेलवे जंक्शन पर 65 वर्षीय वृद्ध काफी दिन से

सोमवार को प्लेटफार्म नंबर 8 पर मृत मिले भिखारी के पास से 91 हजार रुपये बरामद हुए। जीआरपी ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। साथ ही शव की पहचान के लिए आसपास के जिलों के थानों में फोटो भेजे हैं।जंक्शन पर संचालित स्टाल के संचालकों ने बताया कि उक्त व्यक्ति प्रतिदिन यात्रियों से रुपये मांगकर गुजारा करता था लेकिन सोमवार को अचानक उसकी मौत हो गई। इस भिखारी के पास से काफी नोट मिले हैं। उप निरीक्षक शिवपाल सिंह मौके पर पहुंचे और मृतक के सामान की तलाशी ली तो सभी दंग रह गए। सामान से मिली एक पुरानी थैली से नोटों के बंडल और सिक्के मिले, जिन्हें जीआरपी के सिपाहियों ने गिना तो 91070 हजार रुपये थे।जंक्शन के प्लेटफार्म पर काम करने वाले लोगों ने बताया कि करीब प्लेटफार्म पर रहता था और यात्रियों से भीख मांगा करता था। उप निरीक्षक ने बताया कि मृतक के झोले से 91070 रुपये के अलावा वृंदावन की पंजाब नेशनल बैंक की एक विड्रोल पर्ची भी मिली है। पर्ची में सिर्फ खाता संख्या और अंग्रेजी में नाम हरिदास देवनाथ लिखा था। साथ ही एक की-पेड वाला मोबाइल फोन मिला है, जिसमें सिम नहीं थी।उन्होंने बताया कि विड्रोल पर्ची के आधार पर वृंदावन की पंजाब नेशनल बैंक से मृतक के घर के बारे में पता किया तो खाते पर पानीघाट दुर्गानगर का पता निकला। सिपाहियों ने पानीघाट पहुंचकर मृतक का फोटो दिखाकर शव की पहचान के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक यादराम सिंह ने बताया कि शव की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रेमिका को घर से लाया...दोस्त ने साथ भी दिया, फिर बीच रास्ते में हुई ऐसी हरकत; फंदे से लटक कर दे दी जान

मथुरा। थाना बरसाना पुलिस ने दो दिन पूर्व मिले युवक के शव के मामले का खुलासा कर दिया है। मामले में आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले दोस्त व मृतक की प्रेमिका को गिरफ्तार किया है।दो दिन पूर्व थाना क्षेत्र के गांव गाजीपुर संकेत के मध्य राजा के खेत में एक युवक का शव मिला था। उसकी शिनाख्त हरियाणा के तावडू-नूंह निवासी अमन के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाकर आत्महत्या करना आया। केस दर्ज कर थाना प्रभारी राजकमल बालियान ने गहनता से जांच की। जांच में पाया कि मृतक के प्रेम संबंध एक युवती से थे।अमन और उसका दोस्त गांव से युवती को बाइक पर बैठाकर साथ ले आए। रात बारह बजे संकेत-गाजीपुर के पास बाइक खराब हो जाने पर तीनों में युवती को ठहराने को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद को बढ़ते देख अमन प्रेमिका व दोस्त से यह कहकर निकल आया कि में अभी आया। इसके बाद अमन खेतों में जाकर पेड़ से लटक गया। पुलिस की जांच में पाया कि युवक पर आत्महत्या का दबाव बनाया गया।

85 साल की मां पर तब तक बरसाई लाठी जब तक मर न गई

रायबरेली। रायबरेली से दिल सेमरी क्षेत्र के ग्राम बैरीसाल खेड़ा

दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां सोमवार की देर शाम करीब 8 बजे बेटे ने अपनी 85 वर्षीय मां की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। बचाने आए अपने बेटे-बेटी पर भी लाठी बरसाई। घटना से हर कोई स्तब्ध है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।घटना मजरे सेमरी की है। गांव निवासी विधवा सुहागा (85) की हत्या उसी के बेटे गहिरेश्वर ने कर दी। बीच-बचाव करने आए बेटे अमरेंद्र एवं बेटी नीतू को भी पीटा। शोर सुनकर गांव के लोग जमा हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

2022 में विस चुनाव लड़ना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी सियासी चूकः हरीश रावत

नयी दिल्ली। पूर्व सीएम हरीश के प्रचारकों की कमी है। एक जो पूरे

रावत ने 2027 में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का एलान किया है। इसके बावजूद वह कुमाऊं में लगातार सक्रिय हैं। लगभग हर जिले में जा रहे हैं। प्रदेश की सत्ता में कांग्रेस की वापसी के लिए पार्टी के भीतर और जनता की नब्ज टटोल रहे हैं। मंदिरों में जाकर न्याय की गुहार लगा रहे हैं। अमर उजाला की टीम ने उनका इंटरव्यू किया, जिसमें वह भूत, वर्तमान और भविष्य की रणनीति के बारे में खुलकर बोले। रावत ने कहा कि 2022 में चुनाव लड़ना मेरे जीवन की सबसे बड़ी सियासी चूक है। चुनाव न लड़ने क पीछे क्या कारन हैं-बहुत सीधी सी राजनीति है। बहुत चुनाव लड़ लिए। कांग्रेस के पास इस समय दो प्रकार प्रदेश में समन्वय स्थापित कर प्रचार को गति दे सकें। दूसरा राष्ट्रीय स्तर के जो स्टार प्रचारक उनकी ओर से बनाए गए, माहौल को गति दे सकें। यदि 2022 में चुनाव नहीं लड़ता तो कांग्रेस निश्चित तौर पर सत्ता में आती। मैं चाहता हूं कि 2027 में वह गलती न करूं। इसलिए मैंने ऑफर किया कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। 2022 में मुझे चुनाव लड़ने के लिए सहमत नहीं होना चाहिए था। ये मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी चूक है। ये जानते हुए भी कि मैं हार जाऊंगा। मुझे लालकुआं में नॉमिनेशन फाइल नहीं करना चाहिए था। मुझे पार्टी के जनरल सेक्रेटरी इंचार्ज की बात नहीं माननी चाहिए थी।हमारे पास इस समय मजबूत बाजू हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने आकाश आनंद को दी शुभकामनाएं, बताया राजनीति का नया खिलाड़ी

लखनऊ। अपनी जनता पार्टी निशाने पर रही। इस दौरान उन्होंने असफलता का सबसे बड़ा सबूत

के अध्यक्ष एवं लोक मोर्चा संयोजक स्वामी प्रसाद मौर्य ने बसपा के मुख्य नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद को राजनीति का नया खिलाड़ी बताया है। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद राजनीति में अभी बहुत नए हैं। उनको शुभकामनाएं हैं। बहनजी (मायावती) बार-बार आकाश को पार्टी से बाहर कर देती हैं, जिससे उनकी प्रतिभा कुंठित होती है। आकाश को और महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन इस महत्व को काट-पीटकर बराबर न कर दें। बहनजी से ऐसी अपेक्षा है। संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा कार्यक्रम के सिलसिले में पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य मंगलवार को लखीमपुर के कृष्णा मैरिज हाल पहुंचे। यहां उन्होंने प्रेसवार्ता की, जिसमें भाजपा की केंद्र व प्रदेश की सरकार उनके समान विचारधारा वाले दलों से गठबंधन करने के संकेत भी दिए। कहा कि एक जैसी विचारधारा वालों से हाथ मिलाने की जरूरत पड़ी तो वह गुरेज नहीं करेंगे। उनके लोक मोर्चा को नौ क्षेत्रीय दलों ने समर्थन दिया है। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा की सरकारें केवल देश को बेचने का काम कर रही हैं। इन दिनों सरकारी नौकरियों बिल्कुल खत्म कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पूरा देश समस्याओं से जूझ रहा है। आज महंगाई शीर्ष पर है। आलम यह है कि 140 करोड़ में 80 करोड़ की आबादी 5 व 10 किलो चावल, गेहूं पर अटक गई है। करोड़ों नौजवान बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश के 27000 प्राथमिक विद्यालय बंद हो गए, जो योगी सरकार की है। यह लोग ग्रामीण शिक्षा को खत्म करने पर तुले हुए हैं। भाजपा सरकार की सोच है कि लोग न पढ़ने को आएंगे और न नौकरी मांगेंगे। योगी सरकार का जमीनी हकीकत से कोई वास्ता नहीं है।स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को गुमराह करते हुए यह कह रहे हैं कि देश को विश्वगुरु बनाएंगे, दूसरी तरफ देश को बेरोजगारी का अड्डा बनाया जा रहा है। एक तरफ वह किसानों को अन्नदाता कहते हैं और दूसरी तरफ किसानों को लाभकारी मूल्य घोषित भी नहीं कर रहे हैं, जिससे देश के किसान मजबूर और परेशान हैं। पूर्व मंत्री ने कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में जंगलराज जैसी स्थिति है।

तेल की कीमत से व्यापार मार्ग तक, पश्चिम एशिया में संघर्ष का भारत पर क्या और कितना असर?

नयी दिल्ली। इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष अब पांचवें दिन पर पहुंच चुका है। दोनों ही देशों ने एक-दूसरे के ऊपर जबरदस्त हमले किए हैं। जहां इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों से लेकर सैन्य अफसरों तक को एयरस्ट्राइक में निशाना बनाया, वहीं ईरानी सेना की तरफ से बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए इस्राइल पर कहर बरपाया गया है। अब तक की जानकारी के मुताबिक, इस्राइल में 24 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। वहीं, ईरान में 220 लोगों की जान जाने की खबर है। इस पूरे घटनाक्रम पर भारत ने करीब से नजर रखी है। ईरान में फंसे अपने छात्रों को आर्मेनिया के रास्ते निकालने के बाद अब विदेश मंत्रालय ने तेहरान में रह रहे भारतीयों को शहर से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर रुकने को कहा है। इस बीच अमेरिका के भी इस जंग में कूदने की खबरें हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान के लोग जल्द से जल्द तेहरान छोड़ दें।इस्राइल और ईरान के बीच अगर यह संघर्ष पूरी तरह युद्ध में बदलता है तो इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ने के आसार हैं। इतना ही नहीं दोनों देशों में भारतीयों की अच्छी-खासी संख्या, जो कि पूर्ण युद्ध की स्थिति में खतरे में पड़ सकती है। अमेरिका की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों के चलते भारत फिलहाल ईरान से कच्चा तेल आयात नहीं करता। लेकिन दुनियाभर में तेल के एक अहम सप्लायर के तौर पर चिह्नित ईरान से तेल की आपूर्ति रुकने से ओपेक देशों पर इसका भार पड़ेगा। नतीजतन तेल उत्पादक देश कच्चे तेल के दामों को बढ़ा सकते हैं। मौजूदा समय की बात की जाए तो ब्रेंट क्रूड 74-75 डॉलर प्रति बैरल पर है, जो कि पिछले बंद से करीब 1.5 फीसदी ज्यादा है।हालांकि, भारत की चिंता ईरान की तरफ से पश्चिमी देशों को दी गई एक धमकी है। ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर देगा। लाल सागर के अलावा इस बार होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला मार्ग एक ऐसा कारक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक पेट्रोलियम पदार्थों की खपत का 21फीसदी इसी मार्ग से गुजरता है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया इस मार्ग से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए शीर्ष गंतव्य हैं। ओमान भी भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करता है।यूरोप के साथ भारत का करीब 80 फीसदी वस्तु व्यापार लाल सागर के जरिये होता है। अमेरिका के साथ भी काफी व्यापार इसी मार्ग से होता है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य इन दोनों भौगोलिक क्षेत्रों के जरिये भारत कुल 34 फीसदी निर्यात करता है। लाल सागर मार्ग से दुनिया के 30 फीसदी कंटेनर गुजरते हैं, जबकि 12 फीसदी वैश्विक व्यापार इसी रास्ते हो होता है।हाल के घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए सरकार की ओर से आने वाले दिनों में निर्यातकों के साथ बैठक करने की उम्मीद है।विश्लेषकों का कहना है कि यह युद्ध?अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उच्च टैरिफ की घोषणा के बाद वैश्विक व्यापार पर पड़ने वाले दबाव को और बढ़ाता है। टैरिफ के असर को देखते हुए?विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) पहले ही आशंका जता चुका है कि 2025 में वैश्विक व्यापार में 0.2 फीसदी की गिरावट आएगी।?इससे पहले 2.7 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया था।ईरान और इस्राइल एक-दूसरे पर जबरदस्त हवाई हमले कर रहे हैं। इसके चलते दोनों ही देशों ने अपने हवाई क्षेत्रों को यात्री विमानों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया है। इसका असर दुनियाभर के साथ भारत के उड्डयन क्षेत्र में सबसे ज्यादा पड़ सकता है। उदाहरण के तौर पर भारत के नई दिल्ली से ब्रिटेन के लंदन जाने वाली फ्लाइट को अभी ईरान के एयरस्पेस से उड़ान भरते हुए जाना होता है, जो कि सबसे सीधा और आसान रास्ता है। हालांकि, रूट बदलने से न सिर्फ यात्रियों के लिए यात्रा का समय बदलता है, बल्कि एयरलाइन कंपनियों को अपना किराया भी बढ़ाना पड़ता है, क्योंकि लंबे रूट्स पर ईंधन का खर्च भी ज्यादा होता है और क्रू के सदस्यों के काम की समयसीमा भी ज्यादा होती है। हालांकि, मौजूदा स्थिति में भारत की एयरलाइन कंपनियों को तुर्कमेनिस्तान या सऊदी अरब का रूट लेना पड़ रहा है, जिसके चलते नए रूट से फ्लाइट्स को गंतव्य तक पहुंचने में 45 से 90 मिनट तक ज्यादा लग रहे हैं। इसे लेकर भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा है कि खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति के चलते यात्रा के समय में बढ़ोतरी होगी। इसी तरह एयर इंडिया ने भी एडवायजरी में कहा कि ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में स्थितियों को देखते हुए फिलहाल फ्लाइट्स लंबे और वैकल्पिक रूट पर चल रही हैं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।इस्राइल ने शुक्रवार सुबह ईरान पर एयरस्ट्राइक की और उसके नतांज परमाणु ठिकाने और उसके सेना प्रमुख-वायुसेना प्रमुख और विशेष सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड के चीफ समेत कई सैन्य अफसरों को निशाना बनाया। ईरान ने इस्राइल पर ड्रोन्स और बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए पलटवार किया। तेल अवीव और यरुशलम में कई जगहों पर धमाकों की आवाज सुनी गई। इस्राइल ने एक बार फिर ईरान पर एयरस्ट्राइक कीं।17 जून यानी मंगलवार को जी7 देशों की बैठक तय थी। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप इस सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर अमेरिका लौट गए। इस दौरान उन्होंने जी7 के उस साझा बयान पर हस्ताक्षर किए, जिसमें पश्चिम एशिया में संघर्ष को रोकने की अपील की गई। ट्रंप ने रवाना होने के बाद साफ किया कि उनके लौटने की वजह इस्राइल और ईरान के बीच संघर्षविराम कराने से नहीं जुड़ी है, बल्कि यह वजह और भी बड़ी है। दूसरी तरफ ईरान ने दावा किया है कि उसने तेहरान में मोसाद के दो एजेंट्स को पकड़ा है, जो कि ड्रोन बनाने वाली फैक्टरी चला रहे थे। इनके पास से 200 किलो विस्फोटक, ड्रोन्स और लॉन्चर्स से जुड़े उपकरण मिले हैं।

ब्रिटेन की अदालत में बोला भगोड़ा मेहुल चोकसी- भारत सरकार ने 2021 में रची थी मेरे अपहरण की साजिश

नयी दिल्ली। भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी ने ब्रिटेन की अदालत में आरोप लगाया कि भारत सरकार ने कथित तौर पर 2021 में उनके अपहरण की साजिश रची थी। हालांकि, भारत सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि यह भारत को बदनाम करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी कारोबारी मेहुल चोकसी ने भारत सरकार और पांच अन्य व्यक्तियों के खिलाफ लंदन की हाईकोर्ट में मुकदमा दायर किया है। चोकसी ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार ने मई 2021 में उनके अपहरण, शारीरिक उत्पीड़न और जबरन भारत ले जाने की साजिश रची थी।भारत सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया और राज्य प्रतिरक्षा (स्टेट इम्युनिटी) के आधार पर ब्रिटेन के क्षेत्राधिकार पर आपत्ति जताई है। भारत ने कोर्ट से यह भी आग्रह किया है कि भारतीय कानून और संविधान विशेषज्ञों की राय भी इस मामले में सुनी जाए।जस्टिस फ्रीडमैन के समक्ष सोमवार को सुनवाई के दौरान चोकसी ने दावा किया कि मई 3021 में उसे प्रताड़ित किया गया और यह सभ भारत सरकार की सुनियोजित अपहरण करने की योजना का हिस्सा था। वहीं, भारत सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे पेश हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि चोकसी के ये आरोप एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हैं और इनका असली मकसद भारत की छवि को नुकसान पहुंचाना और चोकसी को प्रत्यर्पण से बचाना है। चोकसी के वकील एडवर्ड फिट्जगेराल्ड ने दावा किया कि एंटीगुआ में पांच लोगों ने मिलकर उन पर हमला किया और उन्हें जबरन डोमिनिका ले जाया गया, ताकि उन्हें भारत भेजा जा सके।

फिर पटरी पर लौटा मानसून, केरल से कश्मीर तक झमाझम बरसात, अगले दो दिन पूरे देश में भारी बारिश का अलर्ट

नयी दिल्ली। कुछ दिन के उल्लेखनीय गिरावट आएगी। मध्य बदलते शेड्यूल के लिए तैयार रहने

ठहराव के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून पटरी पर लौट आया है। सोमवार को मानसून दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश तक पहुंच गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और गुजरात व मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों तक मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। पश्चिमी हिमालयी राज्यों में मानसून पूर्व और गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश और मुंबई से लेकर केरल तक झमाझम मानसूनी बारिश हो रही है। मुंबई के कई इलाकों में जलभराव हो गया है और रेल व हवाई सेवा भी प्रभावित हुई है। अगले दो दिन भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर गुजरात के लिए रेड अलर्ट, उत्तर प्रदेश समेत 18 राज्यों के लिए ऑरेंज और जम्मू-कश्मीर समेत 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि मानसून के सक्रिय होने से इस हफ्ते पूरे मध्य भारत तक बारिश होने की संभावना है। इससे तपती गर्मी से राहत मिलेगी। आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को मॉनसून की बारिश ने लगभग पूरे पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र को कवर कर लिया और पड़ोसी गुजरात और मध्य प्रदेश में भी प्रवेश कर गया। एक अन्य मौसम अधिकारी ने बताया कि मानसून ने अपेक्षित गति पकड़ ली है और अगले दस दिनों में पश्चिमी तट, मध्य और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है, जिससे तापमान में भारत में अगले 4-5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस गिरावट आने की संभावना है।आईएमडी ने 17 और 18 जून को पूरे देश में भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर रेड, ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। गुजरात के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गोवा, तटीय कर्नाटक, केरल और असम को छोड़कर पूर्वोत्तर के सभी छह राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। असम, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुडुचेरी और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के लिए यलो अलर्ट जारी हुआ है।मायानगरी मुंबई में सोमवार को मूसलाधार बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए और सड़क यातायात, उपनगरीय लोकल ट्रेन सेवा और मेट्रो रेल सेवाएं बाधित हुईं। हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ा। महानगर में औसतन 100 मिमी तक बारिश रिकॉर्ड की गई। मंगलवार को समुद्र में ऊंची लहरे उठने की चेतावनी भी जारी की गई है। कई जगह तेज हवाएं भी चलीं और ओवरहेड तारों पर प्लास्टिक शीट गिरने से घाटकोपर-अंधेरी-वर्सोवा लाइन पर मेट्रो सेवा प्रभावित हुई। महानगर में 1 जून के बाद से वर्षा जनित घटनाओं में 18 लोगों की मौत भी हो गई है।मुंबई में भारी बारिश के बीच इंडिगो एयरलाइंस ने ट्रेवल एडवाइजरी जारी कर यात्रियों से के लिए कहा है। यात्रियों से कहा गया है कि वे अपने विमान पर नजर रखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। इंडिगो ने एक्स पर लिखा है कि इस समय मुंबई में भारी बारिश हो रही है जिससे उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव किए जा रहे हैं। उड़ान में संभावित देरी के लिए तैयार रहें और अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय दें।रेड अलर्ट के बीच उत्तरी केरल में हुई भारी बारिश से आम जनजीवन के साथ ही सड़क और रेल सेवा बुरी तरह प्रभावित हुई। नदियों का जल स्तर बढ़ गया और जलाशय भी लबालब भर गए। कन्नूर और कासरगौड़ा जिलों में बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों में भरने से कई लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। कन्नूर में लोगों को घुटनों से ऊपर तक पानी के बीच गुजरते देखा गया। कासरगोड में तेजस्विनी पूझा सहित प्रमुख नदियां उफान पर हैं, जिसके कारण अधिकारियों ने जल निकायों में जाने के खिलाफ चेतावनी जारी की है। आईएमडी ने पहले ही कहा था कि मानसून के सक्रिय होने से केरल के साथ ही लक्ष्यद्वीप में भारी बारिश होगी। जम्मू-कश्मीर में प्री-मानसून की दस्तक के साथ ही पारे में 5.8 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को भी कुछ इलाकों में बारिश हुई। 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। अमरनाथ यात्रा तक केंद्रशासित प्रदेश में मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। कटड़ा में अधिकमत तापमान 29.9 डिग्री दर्ज किया गया।

मरीज के पेट में चम्मच,30 मिनट में निकाली आठ सेमी लंबी स्पून, दुर्लभ मामले में डॉक्टरों ने किया कमाल

नयी दिल्ली। शालीमार बाग स्थित निजी अस्पताल में एक

30-वर्षीय पुरुष की दुर्लभ और असामान्य मेडिकल इमरजेंसी की गई। डॉ. रमेश गर्ग, सीनियर डायरेक्टर एवं एचओडी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के डॉक्टरों की टीम ने गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी प्रक्रिया को 30 मिनट में किया गया और मरीज को अगले ही दिन स्थिर हालत में अस्पताल से छुट्टी दी गई। मरीज की शुरूआती जांच के बाद इमरजेंसी विभाग को रेफर किया गया था। जब मरीज यहां आए थे तो उनकी हालत स्थिर दिखायी दे रही थी। यहां उनके पेट के एक्स-रे समेत तत्काल डायग्नॉस्टिक इमेजिंग की गई, जिससे पता चला कि उनकी आंत के ऊपरी हिस्से में एक धातु का चम्मच फंसा हुआ था। मरीज की एनेस्थीसिया में तत्काल इमरजेंसी अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी की गई। सर्जिकल टीम ने फोरसेप की मदद से सावधानीपूर्वक मरीज के पेट से चम्मच निकाला। इस सर्जरी के बाद उन्हें 24 घंटे तक निगरानी में रखा गया। इस दौरान वह पूरी तरह स्थिर थे और उन्हें बिना किसी जटिलता के हेल्दी कंडीशन में डिस्चार्ज किया गया। डॉ. रमेश गर्ग ने बताया कि काफी दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण मामला था। चम्मच जैसी किसी धातु की वस्तु को निगलने से काफी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं, खासतौर पर यदि वह छोटी आंत के ऊपरी हिस्से में फंस जाए तो यह वाकई खतरनाक हो सकता है। ऐसे में समय पर डायग्नॉसिस और इंटरवेंशन काफी महत्वपूर्ण होता है। हमारी टीम ने एनेस्थीसिया के साथ इमरजेंसी अपर जीआई एंडोस्कोपी की और बेहद सटीकता के साथ 8 से.मी. लंबा चम्मच निकाला और इस प्रक्रिया में कोई आंतरिक चोट नहीं पहुंची।सर्जरी के बाद मरीज पर कड़ी नज़र रखी गई और उन्हें स्थिर अवस्था में डिस्चार्ज किया गया। इस मामले ने जटिल गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इमरजेंसी में तुरंत फैसला लेने और मल्टीडिसीप्लीनरी टीमों के बीच तालमेल के महत्व को रेखांकित किया।

कनाडा में टोइंग रैकेट का भंडाफोड़,18 गिरफ्तार, ज्यादातर भारतीय मूल के; 4.2 मिलियन कनाडाई डॉलर बरामद

नयी दिल्ली। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में पुलिस ने टोइंग (वाहन खींचने) से जुड़े एक संगठित आपराधिक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से ज्यादातर भारतीय मूल के बताए जा रहे हैं। पुलिस ने इनके पास से 42 लाख कनाडाई डॉलर (करीब 26 करोड़ रुपये) से ज्यादा की संपत्ति भी जब्त की है। जानकारी के मुताबिक, पील रीजनल पुलिस ने यह कार्रवाई एक संयुक्त अभियान 'प्रोजेक्ट आउटसोर्स' के तहत की। गिरफ्तार किए गए लोगों में 17 पुरुष और 1 महिला शामिल है। महिला का नाम हालेह जावादी तोराबी है, जो किंग सिटी की रहने वाली है। बाकी सभी पुरुष ब्रैम्पटन शहर के निवासी हैं।पील पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी में इंदरजीत ढामी, परितोष चोपड़ा, गुरबिंदर सिंह, कुलविंदर पुरी, परमिंदर पुरी, इंदरजीत बल, वरुण औल, केतन चोपड़ा, नॉर्मन तज़ेहकंद, पवनदीप सिंह,

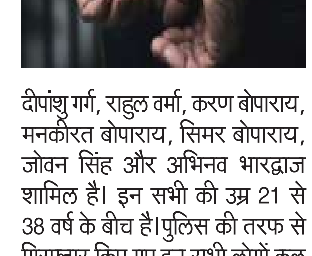

दीपांशु गर्ग, राहुल वर्मा, करण बोपाराय, मनकीरत बोपाराय, सिमर बोपाराय, जोवन सिंह और अभिनव भारद्वाज शामिल है। इन सभी की उम्र 21 से 38 वर्ष के बीच है।पुलिस की तरफ से गिरफ्तार किए गए इन सभी लोगों कुल 97 आरोप लगे हैं, जिनमें आपराधिक संगठन चलाना, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, हथियार रखना और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें से तीन लोगों को बाद में कोर्ट में पेश होने के लिए छोड़ा गया, जबकि 15 लोगों को तुरंत जमानत सुनवाई के लिए कोर्ट भेजा गया।पुलिस जांच के अनुसार, ये लोग दो हिस्सों में काम कर रहे थे - एक समूह जबरन वसूली और हिंसा में शामिल था, जबकि दूसरा टोइंग उद्योग से जुड़ा था। ये लोग फर्जी एक्सीडेंट करके बीमा कंपनियों से धोखाधड़ी करते थे और हथियारों व धमकियों के जरिए स्थानीय टोइंग व्यवसाय पर कब्जा जमाने की कोशिश करते थे। इनके कुछ टोइंग व्यवसायों के नाम सर्टिफाइड रोडसाइड और हम्बल रोडसाइड बताए गए हैं।पील पुलिस प्रमुख ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से लगभग आधे पहले से ही किसी न किसी जमानत पर थे।

बिना कपड़ों के ऋषि कपूर को देख शरमा गई थीं अरुणा ईरानी, सीन शूट करने से किया इनकार

नयी दिल्ली।बॉलीवुड इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री अरुणा ईरानी, जिन्होंने कई दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम किया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉबी फिल्म के दौरान के कुछ पलों को याद किया है, जिसमें दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर मुख्य भूमिका में थे। अभिनेत्री ने बताया कि एक सीन के दौरान वह शरमा गई थीं और सीन शूट करने से मना कर दिया था, लेकिन फिर क्या हुआ जानिए। हाल ही में अभिनेत्री अरुणा ईरानी लेहरें रेट्रो इंटरव्यू के साथ बातचीत में शामिल हुईं, जहां उन्होंने साल 1973 में रिलीज हुई फिल्म बॉबी को याद किया। उन्होंने बताया कि फिल्म में एक सीन था, जिसमें ऋषि कपूर बिना कपड़ों के बाहर आते हैं और तौलिए से अपने बाल सुखाते हैं। इस सीन में अभिनेत्री का भी रोल था, जिसे उन्होंने शुरू में ही शूट करने से मना कर दिया था। हालांकि, बाद में फिल्म के निर्देशक राज कपूर के कहने पर वो यह सीन शूट करने को राजी हो गईं थीं। आगे बातचीत में एक्ट्रेस अरुणा ईरानी ने बताया कि ऋषि कपूर के साथ एक दूसरी फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता ने उनसे सवाल किया। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं उस समय रवि मल्होत्रा की फिल्म में ऋषि कपूर जी के साथ काम कर रही थी। ऋषि कपूर ने कहा, 'अरुणा जी, मुझे आपसे एक बात पूछनी है। आपने उस दृश्य में बहुत आपत्ति जताई थी, लेकिन वो सीन तो मुझे करना था, आप क्यों आपत्ति कर रही थीं?' इसके जवाब में अभिनेत्री ने बताया की उन्हें शर्म आ रही थी, इसलिए वह आपत्ति जता रही थीं, लेकिन अंत में उन्होंने अभिनेता को सही ठहराया।राज कपूर के निर्देशन में साल 1973 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉबी', जिसमें ऋषि कपूर ने अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया के साथ डेब्यू किया था। यह फिल्म एक अमीर लड़के और एक गरीब लड़की की कहानी बताती है जो सामाजिक विरोध के बावजूद प्यार में पड़ जाते हैं। इस फिल्म में अरुणा ईरानी, ऋषि कपूर और डिंपला कपाड़िया के अलावा फरीदा जलाल, प्राण, प्रेम चोपड़ा, प्रेम नाथ, जगदीश राज और दुर्गा खोटे भी शामिल थे।

'सितारे जमीन पर' बिना किसी कट के हुई पास, सेंसर बोर्ड से आमिर की फिल्म को हरी झंडी

नयी दिल्ली। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार

फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। उनकी मच अवेटेड फिल्म 'सितारे जमीन पर' को आखिरकार सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से हरी झंडी मिल गई है। खास बात ये है कि सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को बिना किसी कट के थिएटर में रिलीज करने की अनुमति दी है, जिससे आमिर के फैंस के बीच उत्साह दोगुना हो गया है।फिल्म की रिलीज से पहले इसे लेकर कुछ अड़चनों का सामना करना पड़ा था। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की ओर से फिल्म में दो बदलाव करने का सुझाव दिया गया था, जिसके बाद फिल्म की रिलीज को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई थी। लेकिन आमिर खान और उनकी टीम ने अपने पक्ष को मजबूती से रखा और ये साफ किया कि फिल्म की स्क्रिप्ट और प्रस्तुतिकरण पर बहुत सोच-विचार के बाद काम किया गया है। आखिरकार बोर्ड ने बिना किसी कट के फिल्म को पास कर दिया।साल 2007 में रिलीज हुई आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' ने शिक्षा प्रणाली और बच्चों की मानसिकता पर प्रभावशाली चर्चा की थी। उस फिल्म ने 98 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था ।

क्या दीवार फांदकर कृति से मिलने जाते हैं जावेद जाफरी? फराह खान के सवाल पर एक्टर ने किया रिएक्ट

नयी दिल्ली। फिल्म निर्माता-कोरियोग्राफर फराह खान अपने अलबेले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में वो अपने कुक दिलीप के साथ डांसर-एक्टर जावेद जाफरी के घर पहुंची और उनकी बातों से प्रभावित होती हुईं दिख रही हैं। साथ ही अभिनेता ने अपने घर को लेकर भी जिक्र किया है। इसी दौरान एक्ट्रेस कृति सेनन का भी नाम आता है, जिस पर फराह खान की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। जावेद जाफरी खुशी से अपना घर फराह खान को दिखाते हैं और उसके बाद बालकनी के दृश्यों के बारे में अपने अनुभवों को शेयर करते हैं। इसी दौरान डांसर-एक्टर ने कहा कि दीवार के उस पार कृति सेनन का घर हैं। ये बात सुनते ही फराह खान हंस पड़ीं और बोलीं, 'तो आप दीवार फांद के जाते हैं कृति सेनन के घर?' इस पर जावेद जाफरी जोर से हंस पड़ते हैं। फराह खान हाल ही में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ शो में बतौर होस्ट नजर आई थीं, जहां रणवीर बरार और विकास खन्ना जज थे। हाल ही में फराह खान ने फिल्म लवयापा के लिए गाना भी कोरियोग्राफ किया है। वहीं, जावेद जाफरी की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 'इन गलियों में' और जियो हॉटस्टार पर आई वेब सीरीज 'ताजा खबर' में देखा गया था। वह जल्द ही कॉमेडी फिल्म सीरीज की चौथे पार्ट 'धमाल 4' में अभिनय करते दिखेंगे।कृति सेनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था। इसके अलावा अभिनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें तो उन्हें आनंद एल राय के निर्देशन में बन रही 'तेरे इश्क में' देखा जाएगा। वर्तमान में इसकी शूटिंग चल रही है।

प्रियंका चोपड़ा की बहन मनारा के पिता का निधन बोलीं- 'वो हमारे परिवार की ताकत थे'

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस और इंटरनेशनल स्टार प्रियंका

चोपड़ा के लिए दुख की घड़ी आई है। अभिनेत्री के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। प्रियंका की कजिन सिस्टर मनारा चोपड़ा के पिता की मौत हो गई है। उनकी उम्र 72 वर्ष थी। इस खबर से पूरा चोपड़ा परिवार सदमे में है। वहीं इस खबर से एंटरटेनमेंट जगत में भी शोक की लहर दौड़ गई है।बिग बॉस 17 फेम अभिनेत्री मनारा चोपड़ा पर दुखों का पहाड़ टूटा है। अभिनेत्री के पिता रमन राय हांडा का 72 साल की उम्र में निधन हो गया है। वो एक वकील थे। अपने पिता के निधन की जानकारी खुद मनारा ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा करते हुए दी। मनारा ने स्टोरी पर अपने पिता को श्रद्धांजलि देते हुए एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'गहरे दुख और शोक के साथ हम आपको ये सूचित करते हैं कि हमारे पिता का 16/06/2025 को निधन हो गया है। वो हमारे परिवार की ताकत और सहारे का स्तंभ थे। उनका अंतिम संस्कार 18 जून को दोपहर 1 बजे अंबोली, अंधेरी वेस्ट के श्मशान घाट में किया जाएगा।रमन राय हांडा एक वकील थे और दिल्ली हाईकोर्ट में वकालत करते थे। मनारा चोपड़ा की मां प्रियंका चोपड़ा के पिता की बहन हैं। जानकारी के मुताबिक, रमन राय हांडा बीते काफी समय से बीमार चल रहे थे। मनारा चोपड़ा के पिता के निधन से उनके रिश्तेदारों और करीबी दोस्तों को गहरा झटका लगा है। मनारा चोपड़ा प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा की कजिन सिस्टर हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी। इसके बाद वो कई विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में तेलुगू मूवी 'प्रेमा गीमा जंता नाई' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'जिद', 'हाले दिल ऑन ब्रोकन नोट्स' में दिखीं। इसके अलावा कई तेलुगू और तमिल फिल्मों में काम किया। मनारा को पॉपुलैरिटी 'बिग बॉस 17' में बतौर कंटेस्टेंट मिली।

द राजा साब के रन टाइम का हुआ खुलासा, जानिए कितने घंटों की होगी प्रभास की यह हॉरर-कॉमेडी फिल्म

नयी दिल्ली। पैन इंडिया स्टार

प्रभास इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन सबसे ज्यादा एक्टर हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' को लेकर चर्चा में हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि आज फिल्म 'द राजा साब' का खौफनाक टीजर रिलीज हुआ है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया। वहीं इस फिल्म के रन टाइम को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है।123 तेलुगु डॉट कॉम की एक खबर के अनुसार, 'द राजा साब' के टीजर लॉन्च के दौरान मारुति ने गलती से कहा कि फिल्म साढ़े तीन घंटे की होगी, जिससे ऑनलाइन चर्चा शुरू हो गई। बाद में मारुति ने सफाई दी कि फिल्म करीब तीन घंटे लंबी होगी। उन्होंने कहा कि रिलीज के करीब रन टाइम में थोड़ा बदलाव हो सकता है। वहीं निर्माता टीजी विश्व प्रसाद ने बताया कि इस फिल्म में कई अहम सींस हैं, जो दर्शकों को बेहद पसंद आएंगे। इसके अलावा उन्होंने मारुति से दो भागों में फिल्म बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन मारुति ने सारी कहानी एक ही फिल्म में दिखाने का फैसला किया। साथ ही यह जानकारी भी सामने आई की अभी कुछ गानों की शूटिंग बाकी है।मारुति के निर्देशन में बनी यह हॉरर कॉमेडी फिल्म 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म में प्रभास, संजय दत्त, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार, प्रभास श्रीनु, बोमन ईरानी, वीटीवी गणेश, सप्तगिरी, समुथिरकानी के अलावा भी कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'अकेले पड़ गए थे मुकुल, बेटी को करते थे याद', राहुल देव ने बताई भाई की मौत की वजह

नयी दिल्ली।अभिनेता

राहुल देव के भाई और एक्टर मुकुल देव की पिछले महीने अचानक मौत हो गई थी। मुकुल की मौत की खबर से हर कोई हैरान रह गया था। उनकी मौत के बाद उनके निधन की वजहों को लेकर तमाम तरह की अफवाहें फैली जा रही थीं। अब मुकुल देव के भाई और अभिनेता राहुल देव ने मुकुल की मौत के पीछे की सच्चाई बताई है। उन्होंने बताया कि मुकुल काफी अकेले पड़ गए थे।टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत में राहुल देव ने मुकुल देव की मौत के बारे में बात करते हुए कहा, 'मुकुल की मौत का कारण खराब खान-पान के चलते उनका बिगड़ता स्वास्थ था। वह साढ़े आठ दिन तक आईसीयू में रहे। डॉक्टरों का कहना था कि यह सब कुछ खराब खान-पान की आदतों की वजह से था। पिछले चार-पांच दिनों से उन्होंने खाना-पीना बिल्कुल बंद कर दिया था। बेशक वो अकेला महसूस करते थे। इसी वजह से उन्होंने कई ऑफर भी ठुकरा दिए। अब मुझे एहसास हो रहा है कि दर्द और गहरा होगा।' राहुल ने आगे बताया, 'मुकुल 2019 में अपने बीमार पिता की देखभाल के लिए दिल्ली चले गए थे। हालांकि, पिता जी का उसी साल निधन हो गया। जबकि 2023 में मां का भी निधन हो गया। तब से मुकुल अकेले पड़ गए। वो खुद को राइटिंग में व्यस्त रखने लगे और अकेले पड़ते गए। मुकुल को अपनी बेटी की बहुत याद आती थी और वह अपना ठीक से ख्याल नहीं रख रहे थे।' इस दौरान राहुल ने उन दावों को खारिज किया जिनमें कहा जा रहा था मुकुल डिप्रेशन से जूझ रहे थे। वो खुद को राइटिंग में व्यस्त रखने लगे और अकेले पड़ते गए। मुकुल को अपनी बेटी की बहुत याद आती थी और वह अपना ठीक से ख्याल नहीं रख रहे थे।' इस दौरान राहुल ने उन दावों को खारिज किया जिनमें कहा जा रहा था मुकुल डिप्रेशन से जूझ रहे थे।जो लोग मुकुल के डिप्रेशन में होने और उनको लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं, राहुल देव ने उनसे सवाल किया। राहुल ने कहा कि अब जो लोग बोल रहे हैं, वे उनके संपर्क में भी नहीं थे। वो कहते हैं कि वह बीमार थे, लेकिन वह हाफ-मैराथन दौड़ते थे। हां मुकुल का वजन बढ़ गया था, लेकिन ऐसा तब होता है जब कोई खुद की देखभाल करना बंद कर देता है। 2019 और 2024 के बीच वास्तव में उनके संपर्क में कौन रहा? क्या वे अस्पताल में उनसे मिलने गए या उनकी प्रार्थना सभा में शामिल हुए?

'आहूजा' सरनेम हटाने के बाद गोविंदा से तलाक ले रहीं सुनीता? खुद सामने आकर बताया सच

नयी दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज

एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सुनीता ने हाल ही में अपना सरनेम हटा दिया जिसके बाद उनके तलाक की खबरें फिर से सुर्खियों में आने लगीं। अब सुनीता ने सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है।बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच तलाक की अफवाहें एक बार फिर फैल रही हैं। वजह है सुनीता द्वारा अपने नाम से 'आहूजा' सरनेम हटाना और नाम में एक अतिरिक्त 'एस' जोड़ना। इस छोटे से बदलाव ने सोशल मीडिया पर बड़ी हलचल मचा दी है। तलाक की अटकलें एक बार फिर तूल पकड़ने लगीं, लेकिन अब सुनीता ने खुद सामने आकर इन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है।हाल ही में ई-टाइम्स के साथ एक इंटरव्यू में सुनीता आहूजा ने स्पष्ट किया कि उनके नाम में किया गया ये बदलाव किसी भी पारिवारिक समस्या या तलाक से संबंधित नहीं है। उन्होंने बताया कि ये फैसला उन्होंने न्यूमरोलॉजी के मुताबिक लिया है। सुनीता ने कहा कि उन्होंने 'आहूजा' सरनेम हटाया और अपने नाम में एक अतिरिक्त 'एस' जोड़ा ताकि उन्हें नाम और शोहरत मिल सके। उनका कहना था, 'कौन नहीं चाहता कि उसका नाम चमके?'सुनीता का कहना है कि ये बदलाव उन्होंने लगभग एक साल पहले ही कर लिया था, लेकिन अब सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चा हो रही है। उन्होंने साफ किया कि जब तक उनकी ओर से या गोविंदा की तरफ से कोई अधिकारिक बयान नहीं आता, तब तक कोई भी अपने मन से निष्कर्ष न निकाले। उनका यह भी कहना था कि वह अभी भी एक 'आहूजा' हैं और रहेंगी और यह पहचान तब तक बनी रहेगी जब तक वो इस दुनिया में हैं।सुनीता और गोविंदा की शादी मार्च 1987 में हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं - बेटी टीना और बेटा यशवर्धन। पिछले कुछ सालों में उनके रिश्ते को लेकर कई बार अफवाहें उड़ी हैं, लेकिन हर बार सुनीता ने इन अटकलों को नकारा है। इस बार भी उन्होंने अपने बेबाक अंदाज में सच्चाई सामने रख दी।गौरतलब है कि सुनीता फिल्मी दुनिया से भले ही दूर रही हों, लेकिन उनकी लोकप्रियता किसी स्टार से कम नहीं है। उनकी बेधड़क बातें और स्पष्ट राय लोगों को बेहद पसंद आती हैं। इस बार भी उन्होंने अपनी वायरल होती तस्वीरों और चर्चाओं को लेकर कहा कि नाम में किया गया बदलाव असर दिखा रहा है - वो इंटरनेट पर छा चुकी हैं। सुनीता ने ये भी साफ किया कि गोविंदा के साथ उनके रिश्ते पूरी तरह से ठीक हैं और परिवार में कोई दरार नहीं है। उनका कहना है कि हर किसी को अपने तरीके से जिंदगी जीने का हक है और नाम में बदलाव का मतलब यह नहीं कि संबंधों में बदलाव आ गया हो।

'देवदास' के क्लाइमैक्स सीन के लिए रातों-रात तैयार की गई 13 मीटर साड़ी, कॉस्ट्यूम डिजाइनर ने खोला राज

नयी दिल्ली। शाहरुख

खान और ऐश्वर्या राय अभिनीत फिल्म देवदास के सभी सीन्स ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। हालांकि, फिल्म में कुछ ऐसे सीन भी थे, जिसे शूट करने के लिए मेकर्स को कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। अब कॉस्ट्यूम डिजाइनर नीता लुल्ला ने 'देवदास' के क्लाइमैक्स सीन्स को तैयार करने की चुनौतियों के बारे में बताया है। ये बातें सुन आप चौंक सकते हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।कॉस्ट्यूम डिजाइनर नीता लुल्ला ने न्यूज 18 के साथ हुई बातचीत में देवदास फिल्म के दौरान के अनुभवों को साझा किया और क्लाइमैक्स सीन के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे पास उस लुक को बनाने के लिए सिर्फ एक रात थी। पूरी फिल्म में 12-14 मीटर लंबी साड़ियां प्रयोग में लाई गईं थीं। मैंने पूरा पहनावा बनाने के लिए दो या तीन साड़ियां काटी थीं। क्लाइमेक्स सीन के लिए, निर्देशक को लगा कि उन्हें दुर्गा पूजा वाली सूती साड़ी चाहिए, हमारे पास साड़ी थी और सब कुछ तैयार था। शूटिंग से एक रात पहले, हम ऐश्वर्या राय की वैन में थे और पैक-अप के बाद शाम में आउटफिट देख रहे थे।'आगे उन्होंने बताया, 'निर्देशक ने कहा कि उनका विचार साड़ी के पल्लू में आग लगवाना है और उन्हें लगा उस हिसाब से साड़ी छोटी है। यह सुनकर मैंने कहा, 'क्या मैं जा सकती हूं?' वे परेशान थे। मैं सेट से चली गई और समाधान निकालने की कोशिश में कॉल करना शुरू कर दिया। मैंने अपने एक कपड़े वाले को फोन किया और उसे रात 11 बजे अपनी दुकान खोलने के लिए कहा। इस बीच, मैंने कढ़ाई करने वाली अपनी टीम को बॉर्डर और बाकी सब पर काम शुरू करने के लिए कहा। अगले दिन सुबह 8.30 बजे तक, हमारे पास सेट पर दो 13-मीटर की साड़ियां तैयार थी।'संजय लीला भंसाली के निर्देशन में साल 2002 में एक फिल्म रिलीज हुई 'देवदास', जिसने दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था। इस फिल्म में शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिका में थे।

सामंथा रुथ प्रभुः पैपराजी को देखते ही क्यों आगबबूला हुईं सामंथा? बोलीं- 'बंद करो', वीडियो वायरल

नयी दिल्ली। साउथ इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु का एक हैरान कर देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह पैपराजी पर नाराज होती दिख रही हैं। आइए जानते हैं आखिर किस बात पर अभिनेत्री ने दिया ऐसा रिएक्शन। वायरल वीडियो में सामंथा रुथ प्रभु को जिम से बाहर निकलते हुए देखा जा सकता है, जिसमें वह जिम के आउटफिट में दिख रही हैं। साथ ही वीडियो में उन्हें फोन पर बात करते हुए देखा जा सकता है। जब वह बाहर निकलती हैं, तो उनकी कार

वहां नहीं दिखती है, जिस कारण वह मुड़कर वापस अंदर चली जाती हैं। वहीं, वीडियो में पैपराजी उनकी तस्वीरें खींचते दिख रहे हैं। इस पर एक्ट्रेस ने गुस्से में आकर पैपराजी से कहा, 'बंद करो, प्लीज।' इतना कहकर वह घर जाने के लिए अपनी कार में बैठ जाती हैं।इस वीडियो के सोशल मीडिया पर सामने आते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। एक यूजर ने कमेंट किया कि मीडिया वालों के पास इतना समय कहां से आ जाता है कि वो कहीं भी आ जाते हैं। दूसरे यूजर ने पैपराजी को सलाह दी कि जो आपको इज्जत ना दें उनके पास नहीं जाना चाहिए। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि देखा लापरवाही का नतीजा।वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु को आखिरी बार निर्देशक राज और डीके की 'सिटाडेलः हनी बनी' में देखा गया था। इसमें उनके साथ वरुण धवन प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। वह अब 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'बंगारम' पर काम कर रही हैं। सामंथा ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'शुभम' बनाई। इसमें उन्होंने एक कैमियो भी किया है।

जितेंद्र को फैंस प्यार से 'जीतू भैया' कहते हैं

नयी दिल्ली। 'पंचायत' के लिए जितेंद्र कुमार को फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड भी मिल चुका है। अब 'पंचायत 4' सीरीज भी रिलीज होने वाली है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जितेंद्र की मेहनत और सादगी ने उन्हें दर्शकों का पसंदीदा अभिनेता बना दिया है। उनकी पंचायत सीरीज का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। आइए जानते हैं उनकी सीरीज लेकर उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों और उनमें निभाए गए किरदारों के बारे मेंराजस्थान के अलवर जिले के खैरथल में 1 सितंबर 1990 को जन्मे जितेंद्र ने आईआईटी खड़गपुर से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। लेकिन उनका मन हमेशा से अभिनय की ओर था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने हिंदी ड्रामाटिक्स सोसाइटी में हिस्सा लिया, जहां उनकी मुलाकात बिस्वपति सरकार से हुई, जिन्होंने उन्हें 2012 में द वायरल फीवर से जोड़ा। जितेंद्र ने टीवीएफ की वेब सीरीज जैसे 'पिचर्स', 'परमानेंट रूममेट्स' और 'कोटा फैक्ट्री' में अपने किरदारों से लोगों का दिल जीता।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।